RNI-UPHIN/2009/30721

गुरुवार 05 जून 2025
सुर्योदय प्रातः 05:23 बजे
सूर्यास्त सांय 19:17 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 भारतीय अर्थव्यवस्था कितनी उज्वल?

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 230 | गाजियाबाद, गुरुवार 05 जून 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

बजरंग दल ने की मुनव्वर फारूकी के शो को रद्द करने की मांग

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷। स्टैंड-अप कॉमेडियन और बिग बॉस विजेता मुनव्वर फारूकी के अपकमिंग शो को लेकर बजरंग दल ने आपत्ति दर्ज कराते हुए उसे रद्द करने की मांग की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए बजरंग दल कोंकण प्रांत के सह-संयोजक गौतम के. रवारिया ने लिखा, "अधिकारियों से अनुरोध है कि कृपया शो रद्द करें, मुनव्वर फारूकी के बिना शो बनाएं। हम पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम के खिलाफ नहीं हैं, अगर यह शो रद्द नहीं किया जाता है तो बजरंग दल शाम 4 बजे वहां पहुंचेगा।" इसके साथ ही गौतम रवारिया ने एक वीडियो जारी करते हुए भी अपनी बात रखी। वीडियो में वह कहते नजर आए, "ऐसे देशद्रोही का कार्यक्रम प्रशासन की मदद से नहीं होना चाहिए। आज भामला फाउंडेशन और मुंबई महानगरपालिका के माध्यम से शाम बांद्रा पश्चिम के कार्टर रोड इलाके में एक कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की गई है, जिसका बजरंग दल और हिंदू समाज विरोध करता है।"

रक्षा अलंकरण समारोह-2 में मुर्मु के हाथों मिला 92 सैन्यकर्मियों को विशिष्ट सेवा सम्मान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस वर्ष के दूसरे चरण के रक्षा अलंकरण समारोह में विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्रदान किये। राष्ट्रपति ने रक्षा अलंकरण समारोह में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामय उपस्थिति में थल सेना, वायु सेना और नौ सेना के कुल 92 जवानों और अधिकारियों को उनकी विशिष्ट और बहुत असाधारण श्तर की सेवाओं के लिए ये पदक प्रदान किये। दूसरे चरण में आज विभिन्न रैंक के 57 सैन्यकर्मियों और अधिकारियों को अतिविशिष्ट सेवा मेडल, पांच को उत्तम युद्ध सेवा मेडल और 30 को परम विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानत किया गया। रक्षा अलंकरण समारोह-2025 का पहला चरण 22 मई को आयोजित किया गया था और उसमें राष्ट्रपति ने छह कीर्ति चक्र और 33 शौर्य चक्र प्रदान किये थे।

राहुल गांधी की कांग्रेसी नेताओं को दो-टूक

गुटबाजी से नुकसान सहन नहीं, संगठन में सिफारिश नहीं चलेगी, 30 से पहले जिला अध्यक्ष बनेंगे

✷ वेबवार्ता. चंडीगढ़ ✷

हरियाणा में कांग्रेस के बड़े नेताओं के बीच गुटबाजी की समस्या जगजाहिर हो गई है। ऐसे में पार्टी नेता राहुल गांधी ने संगठन के कायाकल्प अभियान के तहत बड़ा कदम उठाया राहुल गांधी ने बुधवार (4 जून) को हरियाणा के सीनियर नेताओं, और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) और प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के पर्यवेक्षकों के साथ बैठक की।

हरियाणा कांग्रेस कुछ समय पहले तक गुटबाजी से ग्रश्त रही है। ऐसे में राहुल गांधी ने अपने नेताओं को दो टूक कहा है कि बात जब पार्टी के काम की हो, तो कोई गुटबाजी आड़े नहीं आनी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि अगर कोई शिकायत आती है, तो कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा में कांग्रेस के पास नहीं जिला स्तर का संगठन

नियुक्त पर्यवेक्षकों की एक बैठक को संबोधित करते हुए, राहुल गांधी ने हरियाणा के सभी जिलों में आशाजनक, वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध नेतृत्व को विकसित करने की जरूरत पर जोर दिया। हरियाणा में कांग्रेस पिछले एक दशक से सत्ता से बाहर है। इतना ही नहीं, बीते 11 साल में पार्टी के पास जिला श्तर का संगठन तक नहीं है।

इसलिए राहुल गांधी का हरियाणा दौरा कांग्रेस में बड़े बदलाव के संकेत दे रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पार्टी के 'संगठन सृजन अभियान' के तहत एयरपोर्ट पहुंचने के आधे घंटे बाद हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एचपीसीसी) मुख्यालय पहुंचे।

अपनी ढाई घंटे की यात्रा के दौरान, राहुल गांधी ने पार्टी के सीनियर नेताओं के साथ बैठक की, जिसमें 20 से ज्यादा नेताओं ने हिस्सा लिया।

झाबुआ में भीषण हादसे में 9 लोगों की मौत

मध्य प्रदेश में ट्रक सीमेंट से भरा ट्रक वैन पर पलटने से हुआ हादसा

✷ वेबवार्ता. झाबुआ ✷

मंगलवार देर रात मध्य प्रदेश के झाबुआ में एक भीषण हादसा हो गया है। झाबुआ के मेघनगर थाना क्षेत्र के सहेली के सजेली रेलवे फाटक के पास तेज रफ्तार ट्रक वैन के ऊपर पलट गया। हादसे में दो परिवारों के 9 लोगों की मौत हो गई। जबकि 2 लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। मृतकों में 4 बच्चे, 3 महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरु किया। टक्कर इतनी भीषण थी कि वेन पूरी तरह चकनाचूर हो गई।

शादी से लौट रहे ते वैन सवार

प्राप्त जानकारी अनुसार, मृतक परिवार कल्याणपूरा के समीप भावपुरा ग्राम से शादी समारोह से लौट रहे थे। तभी सजेली फाटक के समीप निर्माणाधीन पुल के पास सीमेंट से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर वैन पर पलट गया। हादसे में 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी मृतक शिवगढ़ महुड़ा तहसील मेघनगर जिला झाबुआ के बताए जा रहे हैं। घटना के बाद प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहीं ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

हादसे में 9 की मौत, दो घायल

घटना की जानकारी मिलते ही थान्दला व मेघनगर थाने की पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची।

घायलों एव मृतकों को थान्दला व मेघनगर के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। दुर्घटना में मृतक मुकेश (उम्र 40), सावली (35 वर्ष), विनोद (16 वर्ष), पायल (12 वर्ष), मढ़ी (38 वर्ष), विजय भारू बामनीय (14 वर्ष), कांता (14 वर्ष), रागिनी (9 वर्ष), अकली (35 वर्ष) की मौत हो गई।

जबकि पायल सोमला परमार (19 वर्ष) और आशु (5 वर्ष) घायल हुए हैं। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। मृतक सावली का शव मेघनगर के शासकीय अस्पताल पहुंचाया। जबकि अन्य मृतक के शव थान्दला सिविल हॉस्पिटल लाए गए।

पंजाब से एक और जासूस गिरफ्तार, 3 बार जा चुका है पाकिस्तान

✷ वेबवार्ता. मोहाली ✷

पंजाब में छिपे पाकिस्तानी जासूसों पर पुलिस लगातार शिकंजा कस रही है। जासूसी के आरोप में रूपनगर से जसबीर सिंह नाम के एक और यूट्यूबर को गिरफ्तार किया गया है। जसबीर 'जान महल' नाम का एक यूट्यूब चैनल चलता है। उसका जासूस ज्योति मल्होत्रा के साथ भी खास कनेक्शन है।

ज्योति मल्होत्रा के साथ उसके कई वीडियो इंटरनेट पर मौजूद हैं। वह पाकिश्तान खुफिया एजेंसी ISI ऑफिसर शाकिर जट्ट रंधावा के भी संपर्क में था। भारत की खुफिया जानकारियां आईएसआई एजेंट के जरिए वह पाकिश्तान को भेज रहा था।

पुलिस ने इससे पहले एक 'आतंकवाद समर्थित जासूसी नैटवर्क' का पता लगाया, जो उसे पाकिश्तान के खुफिया और सैन्य अधिकारियों से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि वह जासूस के आरोपों में नई दिल्ली से हाल में निष्कासित पाकिश्तानी उच्चायोग के एक अधिकारी के संपर्क में था और पड़ोसी देश की अपनी 3 यात्रओं में से एक में पाकिश्तान के सैन्य अधिकारियों से मिला था। सिंह को मोहाली की एक अदालत में पेश किया गया जिसने उसे 3 दिन के पुलिस रिमांड में भेज दिया। सिंह के यूट्यूब चैनल पर 11 लाख से ज्यादा 'सब्सक्राइबर' हैं। वह ज्योति मल्होत्र के साथ कथित रूप से निकट संपर्क में था, जिसे हरियाणा पुलिस ने जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया था। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जान महल' नामक एक यूट्यूब चैनल संचालित करने वाले जसबीर सिंह का संबंध पीआईओ शाकिर उर्फ जट्ट रंधावा के साथ पाया गया है।

देश में कब शुरू होगी जातिगत जनगणना, सामने आई तारीख

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में जाति जनगणना को मंजूरी दी गई थी। केंद्र सरकार के फैसले की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया था कि कांग्रेस की सरकारों ने जाति जनगणना का विरोध किया है। 1947 के बाद से जाति जनगणना नहीं हुई।

जाति जनगणना की जगह कांग्रेस ने जाति सर्वे कराया, यूपीए सरकार में कई राज्यों ने राजनीतिक दृष्टि से जाति सर्वे किया है। जनगणना का विषय संविधान के अनुच्छेद 246 की केंद्रीय सूची की क्रम संख्या 69 पर अंकित है और यह केंद्र का विषय है। हालांकि, कई राज्यों ने सर्वे के माध्यम से जातियों की जनगणना की है। जहां कुछ राज्यों में यह कार्य सुचारू रूप से संपन्न हुआ है, वहीं कुछ अन्य राज्यों ने राजनीतिक दृष्टि से और गैर-पारदर्शी ढंग से सर्वे किया है।

पीआईबी ने अपने बयान में बताया कि जातियों की गणना के साथ-साथ जनगणना-2027 को दो चरणों में कराने का निर्णय लिया गया है। जनगणना-2027 के लिए संदर्भ तिथि मार्च, 2027 के प्रथम दिन 00:00 बजे होगी।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के असमकालिक बर्फीले क्षेत्रों के लिए संदर्भ तिथि अक्टूबर, 2026 को होगी। जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के प्रावधान के अनुसार उपरोक्त संदर्भ तिथियों के साथ जनगणना कराने के आशय की अधिसूचना संभवतः 16.06.2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी।

बयान में आगे बताया गया है कि भारत की जनगणना, जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 के प्रावधानों के अंतर्गत की जाती है। भारत की पिछली जनगणना 2011 में दो चरणों में की गई थी, अर्थात i) चरण I – मकान सूचीकरण (एचएलओ) (1 अप्रैल से 30 सितंबर 2010) और (ii) चरण II – जनगणना (पीई) (09 फरवरी से 28 फरवरी 2011) संदर्भ तिथि – मार्च 2011 के पहले दिन 00:00 बजे, तथा जम्मू -कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के बर्फ से ढके असमकालिक क्षेत्रों के लिए यह 11 से 30 सितंबर 2010 के दौरान आयोजित की गई थी और संदर्भ तिथि अक्टूबर 2010 के पहले दिन 00.00 बजे थी ।

जनगणना 2021 को भी इसी तरह दो चरणों में आयोजित करने का प्रस्ताव था, पहला चरण अप्रैल-सितंबर 2020 के दौरान और दूसरा चरण फरवरी 2021 में आयोजित किया जाना था।

2021 में आयोजित की जाने वाली जनगणना के पहले चरण की सभी तैयारियां पूरी हो गई थीं और 1 अप्रैल, 2020 से कुछ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में क्षेत्रीय कार्य शुरू होने वाला था। हालांकि, देश भर में कोविड-19 महामारी के प्रकोप के कारण जनगणना का काम स्थगित करना पड़ा।

27 राज्यों में फैला! कोरोना का नया वैरिएंट

4302 सक्रिय मामले, 44 मौतें, कोरोना से निपटने के लिए तैयारियां पूरी : केंद्र

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

देश में कोरोना वायरस का नया वैरिएंट 27 राज्यों तक फैल चुका है और लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के बीच उपचाराधीन मरीजों की संख्या 4302 तक पहुंच गयी है।

लगातार बढ़ती जा रही है। पिछले 24 घंटे के दौरान संक्रमण के 300 नये मामले सामने आये। सबसे ज्यादा 108 मामले गुजरात में और 86 मामले महाराष्ट्र में आये। इस तरह देश में एक्टिव केसों की संख्या 4302 पहुंच गयी है। कोरोना 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से फैल चुका है। देश 9 राज्यों में अब तक एक भी मामला नहीं है। सबसे ज्यादा 1373 सक्रिय मामले केरल में हैं, वहीं महाराष्ट्र 510 केसों के साथ दूसरे नंबर है।

स्वास्थ्य विभाग और आयुष मंत्रालय पूरी तरह से सतर्क

केंद्रीय स्वास्थ्य और आयुष राज्यमंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और आयुष मंत्रालय पूरी तरह से सतर्क हैं। सभी राज्यों के हालात पर नजर रख रहे हैं। हमने संबंधित सचिवों और मंत्रियों से बातचीत की है। उन्होंने आगे कहा कि पिछली कोविड लहरों के दौरान बने ऑक्सीजन प्लांट, आईसीयू बेड जैसी चीजों की समीक्षा हो चुकी है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां जारी हैं। 11 राज्यों में अब तक 44 की मौत स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार कोरोना के नये वैरिएंटों से देश में जनवरी से अब तक 44 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से 37 मरीजों की मौत पिछले 5 दिन में हुई है। महाराष्ट्र में मंगलवार को 4 मरीजों ने जान गयी है। राज्य में मरने वाला की संख्या 14 पहुंच गयी है। इसके अलावा मंगलवार को दिल्ली, गुजरात और तमिलनाडु में भी 1-1 मौत हुई है। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को कोरोना का पहला मामला सामने आया। इसके बाद राज्य सरकार ने देर रात एडवाइजरी जारी कर सभी हॉस्पिटल में मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है।

केरल सरकार ने नये दिशा-निर्देश के तहत सभी सरकारी और निजी हॉस्पिटल को मॉक ड्रिल कराने का आदेश दिया है। इस दौरान कोरोना से बचाव के तरीकों को बताया जायेगा। साथ ही सर्दी, जुकाम, खांसी और बुखार जैसे लक्षण वाले मरीजों का कोविड टेस्ट अनिवार्य कर दिया गया है। अस्पताल में मास्क लगाने के बाद ही आने दिया जायेगा।

आरसीबी की जीत के जश्न में भगदड़, भाजपा ने किया 11 लोगों के मरने का दावा

✷ वेबवार्ता. बेंगलुरु ✷

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत के जश्न के दौरान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ के बाद बुधवार को बेंगलुरु में कई लोगों की मौत के चलते भ्रम और शोक का माहौल पसर गया।

राज्य सरकार ने अभी तक मृतकों की संख्या की पुष्टि नहीं की है, जबकि विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कम से कम 11 लोगों के मारे जाने का दावा किया है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शांति की अपील की और कहा कि हताहतों की सही संख्या का अभी पता लगाया जा रहा है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "हम सही आंकड़े जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।

मैंने पुलिस आयुक्त और वरिष्ठ अधिकारियों से बात की है। मैं जल्द ही अस्पताल जा रहा हूं, लेकिन मैं पहले से ही मरीजों का इलाज कर रही मेडिकल टीमों को परेशान नहीं करना चाहता था।" श्री शिवकुमार ने इस त्रासदी के लिए भारी भीड़ को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि राज्य सरकार ने सावधानी बरतते हुए समारोह को छोटा कर दिया था। उन्होंने कहा, "हमने सिर्फ़ एक चक्कर लगाकर इसे 10 मिनट में ही समाप्त कर दिया।" उन्होंने आगे कहा कि स्थिति को संभालने के लिए मेट्रो सेवाओं को भी अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। मंत्री ने भारी भीड़ को स्वीकार किया और कहा कि सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयास जारी हैं। इस बीच कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने प्रशासन को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि उसने बिना उचित योजना के रैली आयोजित करने में जल्दबाजी की और सुरक्षा से ज़्यादा प्रचार को प्राथमिकता दी।

श्री विजयेंद्र ने कहा, "राज्य सरकार को पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।" "11 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य गंभीर हालत में हैं, जिनमें से कुछ आईसीयू में हैं। यह त्रासदी सरकार की लापरवाही का सीधा नतीजा है।" उन्होने कहा कि उन्होंने पीड़ितों में से एक से बात की है, जिसने दावा किया कि घटनास्थल पर पुलिस की मौजूदगी या एम्बुलेंस की सुविधा नहीं थी। उन्होंने कहा, "घायलों को खुद ही बॉवरिंग अस्पताल जाना पड़ा।" इसे "गंभीर चूक" बताते हुए श्री विजयेंद्र ने मांग की कि मुख्यमंत्री सिद्दारमैया नैतिक जिम्मेदारी लें और मामले को न्यायिक जांच के लिए भेजें। उन्होंने जोर दिया कि मुख्यमंत्री को तय करने दें कि किसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए - लेकिन इसे न्यायिक मंच के समक्ष

पीएम और रक्षा मंत्री से मिले ऑस्ट्रेलियाई उप-प्रधानमंत्री मार्ल्स, रणनीतिक साझेदारी तथा रक्षा सहयोग पर चर्चा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इस दौरान भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को लेकर कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में संपन्न ऑस्ट्रेलिया के संघीय चुनावों में लेबर पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर उप-प्रधानमंत्री मार्ल्स को बधाई दी।

दोनों नेताओं ने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी की पांचवीं वर्षगांठ के अवसर पर इस सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में रक्षा औद्योगिक सहयोग, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, महत्वपूर्ण खनिजों, और नई तथा उभरती तकनीकों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने पर जोर दिया गया।

दोनों नेताओं ने इस बात को दोहराया कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता, सुरक्षा और समृद्धि के लिए साझा दृष्टिकोण द्विपक्षीय सहयोग का मार्गदर्शन करता रहेगा। उप-प्रधानमंत्री मार्ल्स ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में ऑस्ट्रेलिया के पूर्ण समर्थन को भी दोहराया। प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज को इस वर्ष भारत में आयोजित होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया।पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, "ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स से मिलकर खुशी हुई।

भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी की पांचवीं वर्षगांठ के अवसर पर हमारे सहयोग को गहराने को लेकर सार्थक चर्चा हुई। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता, सुरक्षा और समृद्धि के लिए साझा दृष्टिकोण हमारी साझेदारी का आधार है।"वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी मार्ल्स के साथ हुई बैठक को बेहद उपयोगी और व्यापक बताया।

उन्होंने कहा, "ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स के साथ भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा साझेदारी के सभी पहलुओं की समीक्षा की। द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को सशक्त बनाने में उनकी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता और नेतृत्व, हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण श्तंभ बनकर उभरा है।

मुजफ्फरपुर दुष्कर्म मामले में चिराग पासवान ने सीएम नीतीश को लिखा पत्र, कार्रवाई की मांग

✷ वेबवार्ता. पटना ✷

मुजफ्फरपुर दुष्कर्म मामले को लेकर लोजपा (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बुधवार को बिहार के सीएम नीतीश कुमार को पत्र लिखकर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि यह घटना न केवल एक मासूम जीवन की बर्बर हत्या है, बल्कि हमारे राज्य की कानून व्यवस्था, सामाजिक चेतना और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की गहन विफलता को भी उजागर करती है।

उन्होंने पत्र में लिखा, "पीड़िता ने छह दिनों तक जीवन के लिए संघर्ष किया, किंतु एक जून को पीएमसीएच में उसने दम तोड़ दिया। दुर्भाग्यवश, बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए लगातार छह घंटे तक उसे एम्बुलेंस में ही तड़पते हुए इंतज़ार करवाया गया।"

उन्होंने पत्र में साफ लिखा है कि यह तथ्य अत्यंत पीड़ादायक है कि जिन दरिंदों ने उस मासूम बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया, वे जितने दोषी हैं, उतने ही दोषी पीएमसीएच अस्पताल के डॉक्टर और प्रशासनिक स्टाफ भी हैं, जिन्होंने बच्ची को बचाने के लिए जरूरी उपचार देने के बजाय उसे एंबुलेंस में ही छोड़ दिया और उसके इलाज में अमूल्य समय गंवा दिया। यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है।

उन्होंने आगे कहा है कि जब तक शासन और प्रशासन दोनों श्तरों पर इस घटना से जुड़े हर दोषी पर सख्त और पारदर्शी कार्रवाई नहीं होती, तब तक न्याय अधूरा और अस्वीकार्य रहेगा।

गाड़ियों की संख्या के हिसाब से जलेगी हरी और लाल बत्ती, गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस का नया प्लान

गाजियाबाद एजेंसी। चौराहों पर वाहन चालकों को अधिक समय तक रुकना न पड़े, इसके लिए ट्रैफिक सिग्नल के समय प्रबंधन की समीक्षा होगी। इसके तहत ट्रैफिक के दबाव के हिसाब से रेड और ग्रीन लाइट का समय निर्धारित किया जाएगा। कमिश्नरेट बनने के बाद गाजियाबाद में सभी ट्रैफिक सिग्नलों को मैन्युअली किया गया और वाहनों की संख्या के हिसाब से रेड और ग्रीन लाइट का समय निर्धारित किया जाने लगा। इसी क्रम में पुलिस ने अब ट्रैफिक सिग्नलों के समय प्रबंधन की समीक्षा का फैसला लिया है, ताकि लोगों को अधिक समय तक चौराहों-तिराहों पर रुकना न पड़े। एडीसीपी ट्रैफिक सच्चिदानंद ने बताया कि सुबह के वक्त दिल्ली-नोएडा जाने वाले लोगों के वाहनों की संख्या अधिक होती है और शाम के वक्त वापस लौटते समय वाहनों का दबाव अधिक होता है। ऐसे में सुबह,शाम या दोपहर को वाहनों की संख्या के हिसाब से रेड और ग्रीन सिग्नल का समय बदलता रहेगा। जिस तरफ से वाहनों का दबाव अधिक होगा, उन्हें निकालने के लिए ग्रीन लाइट का समय बढ़ाया जाएगा।

दलित युवक की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या

अमेठी, एजेंसी। अमेठी जिले के संग्रामपुर क्षेत्र में एक दलित युवक की कथित रूप से धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह ने बताया कि पूरेराम चौहान का पुरवा गांव में 22 वर्षीय दलित युवक सागर कोरी की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। उसका शव बुधवार सुबह गांव के ही एक तबेले के अंदर मिला। वह बीती रात करीब 11 बजे से गायब था। सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले में कानूनी कार्यवाही जा रही है।

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड का फरमान; निकाह पढ़ाने का 1100 रुपये से ज्यादा नहीं लेंगे मौलवी

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड बोर्ड ने एक बड़ा फैसला लेते हुए निकाह (शादी) पढ़ने वाले मौलवियों के लिए एक निश्चित रकम तय कर दी है। बोर्ड के इस फरमान के बाद छत्तीसगढ़ में मौलवी, हाफिज और ईमाम निकाह पढ़ने के एवज में 1100 रुपये से ज्यादा नहीं ले सकेंगे। जो मौलवी इस नियम का उल्लंघन करेंगे उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी और हो सके तो उन्हें अगली बार निकाह करने का मौका भी न मिले। दरअसल, छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने निकाह पढ़ाने का शुल्क तय कर दिया है। इसके अनुसार अब निकाह पढ़ने वाले मौलवी या इमाम 1100 रुपये से ज्यादा की नजराना नहीं ले सकेंगे। वहीं न्यूनतम शुल्क 11 रुपये निर्धारित की गई है। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने इस संबंध में सभी मुतवल्लियों को एक आदेश जारी किया है। जारी आदेश में छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने कहा है कि कई जगहों के शिकायतें मिल रही कि मौलवी, हाफिज और ईमाम निकाह पढ़ने के लिए मनमानी रकम ले रहे हैं, जो इस्लाम और शरीयत के खिलाफ है। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने कहा है कि हमें निकाह को आसान करना है, ताकि गरीब और बेसहारा परिवार के बच्चे-बच्चियों के परिवार पर आर्थिक बोझ न पड़े। निकाह पढ़ाने के एवज में जो परिवार अपनी स्वेच्छा से जो दें, उसे स्वीकार करें। वक्फ बोर्ड ने यह साफ कहा है कि निकाह की रकम नजराने के तौर पर 11 रुपये से 1100 रुपये निर्धारित करें और उसका पालन करें। नहीं तो मुतवल्लियों और मौलवियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। समाज के लोगों को इस नियम पर अमल करने भी कहा गया है। बता दें कि छत्तीसगढ़ में वक्फ बोर्ड लगातार नए- नए फरमानों से व्यवस्था को दुरुस्त करने में लगा है। इसके पहले भी वक्फ बोर्ड ने मस्जिदों में जुमे की नमाज के बाद राजनीतिक मुद्दों पर भाषण नहीं देने का निर्देश जारी किया था। मौलवियों और मुतवल्लियों को खासतौर पर संदेश दिया गया था कि समाज में सामाजिक सद्भाव बना रहे। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सलीम राज ने बताया कि यह निर्णय हाल ही में आई एक गंभीर शिकायत के बाद लिया गया है।

विदेश में पाक के खिलाफ गरजे ओवैसी का भारत में जोरदार स्वागत, हीरो वाले अंदाज में लगे पोस्टर

हैदराबाद, एजेंसी।
एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने हाल ही में सऊदी अरब और कुवैत जैसे अरब देशों में पाकिस्तान पर कड़ा प्रहार किया। अपने अंदाज को लेकर ओवैसी ने खूब सुर्खियां भी बटोरीं। अब ओवैसी और उनका दल भारत लौट आया है, जहां हैदराबाद पहुंचने पर उनका बेहतरीन अंदाज में स्वागत हुआ है। बता दें कि असदुद्दीन ओवैसी आतंकवाद पर पाकिस्तान की पोल पूरी दुनिया में खोलने के लिए भारत द्वारा भेजे गए प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। उनके दल ने अल्जीरिया, सऊदी अरब, कुवैत और बहरीन के प्रतिनिधियों से मिलकर उन्हें ऑपरेशन सिंदूर और उससे जुड़ी जानकारियां दीं। ओवैसी के स्वागत के लिए हैदराबाद में उनके कई पोस्टर लगाए गए। एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं ने पार्टी प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के स्वागत में शहर के कई मेट्रो स्टेशन के पिलर्स पर उनकी तस्वीरें लगवाईं। इन पोस्टरों में ओवैसी की तारीफ में नारे भी लिखे गए थे। पोस्टर्स में लिखा गया, आतंकवाद के खिलाफ खड़ा एक शख्स, पाकिस्तान के खिलाफ खड़ा एक सच, गर्व के साथज भारत के दुश्मन को बेनकाब किया। इससे पहले

ओवैसी समेत कई सांसदों ने पाकिस्तान के काले करतूतों की जानकारी विदेशी देशों को दी है। इस दौरान ओवैसी ने सऊदी अरब में पाकिस्तान और आतंक के बीच साठ गांठ की पोल खोलते हुए पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने की मांग की। ओवैसी ने यह भी कहा था कि पाकिस्तान पूरी दुनिया में यह ढिंढोरा पीटता है कि भारत मुस्लिम देश नहीं है जबकि हिंदुस्तान में पाकिस्तान से ज्यादा इस्लामिक विद्वान हैं। पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते हुए ओवैसी ने कहा था कि पाकिस्तान झूठा प्रचार करता है कि भारत उसे पर इसलिए हमले कर रहा है क्योंकि वह मुस्लिम देश है जबकि ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। ओवैसी ने कहा कि भारत में 24 करोड़ गर्वित मुस्लिम भारतीय रहते हैं, जो दुनिया के किसी भी इस्लामी विद्वान से कहीं बेहतर हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने अल्जीरिया में भी पाकिस्तान पर जमकर हमला बोला था। ओवैसी ने कहा था की पाकिस्तान की विचारधारा दाईश और अलकायदा से मेल खाती है उन्होंने कहा था पाकिस्तान के आतंकी संगठनों और अलकायदा की विचारधारा में कोई अंतर नहीं है।

यूपी में बिजली की दरें बढ़ेंगी या नहीं? 30 प्रतिशत का प्रस्ताव सुनवाई के लिए मंजूर

लखनऊ, एजेंसी।
पावर कॉरपोरेशन की तरफ से दाखिल बिजली दरों में 30 फीसदी इजाफे के प्रस्ताव को मंगलवार को नियामक आयोग ने सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। बिजली दरों में इजाफा होगा या नहीं, या कितनी बढ़ोतरी होगी, यह सुनवाई के बाद तय होगा। बिजली कंपनियों को तीन दिनों में विज्ञापन जारी करके जनता को सूचित करने के आदेश दिए गए हैं। जनता को आपत्तियां और सुझाव दाखिल करने के लिए 21 दिन की मोहलत दी गई है। जुलाई में इस संशोधित वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) प्रस्ताव पर सुनवाई शुरू होने की उम्मीद है। आयोग द्वारा प्रस्ताव पर गुपचुप मंजूरी देने और उसे पब्लिक डोमेन में न डालने पर आपत्तियां जताई जा रही हैं। बीते साल नवंबर में बिजली कंपनियों ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की बिजली दरें तय करने के लिए एआरआर दाखिल किया था। आयोग ने इस साल 9 मई को वह प्रस्ताव सुनवाई के लिए स्वीकारा था। पावर कॉरपोरेशन की तरफ से दाखिल बिजली दरों में इजाफे के प्रस्ताव को नियामक आयोग ने नौ मई को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया था। हालांकि, उसके फौरन बाद

पावर कॉरपोरेशन ने संशोधित एआरआर दाखिल करने की मोहलत मांगकर आयोग में नया एआरआर दाखिल किया था। संशोधित एआरआर में बिजली कंपनियों का वार्षिक घाटा 10,000 करोड़ रुपये से बढ़ा कर 19,600 करोड़ रुपये दिखाया गया था। इसके आधार पर बिजली दरों में 30 प्रतिशत इजाफे का अनुमान पावर कॉरपोरेशन ने लगाया था। प्रदेश के ऊर्जा इतिहास में यह पहला मौका है जब एक बार एआरआर स्वीकार किए जाने के बाद संशोधित एआरआर को आयोग ने मंजूरी दी है। आयोग ने बिजली की नई दरें तय करने के लिए संशोधित एआरआर कुछ कमियों के साथ मंजूर किया है। सामान्यतः कमियों पर आयोग संशोधन दाखिल करवाता है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने इसे पारदर्शिता के साथ समझौता करार दिया है। पावर कॉरपोरेशन के संशोधित एआरआर पर उपभोक्ता परिषद आपत्ति दाखिल करते हुए बिजली दरों में 40-45प्रतिशत कटौती का प्रस्ताव दाखिल कर चुका है। परिषद ने संशोधित प्रस्ताव के आंकड़ों पर सवाल उठाए हैं। जब आयोग संशोधित प्रस्ताव पर सुनवाई करेगा तो उपभोक्ता परिषद भी अपना पक्ष रखेगा। अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि बिजली कंपनियों पर उपभोक्ताओं का 33122 करोड़ रुपये बकाया है।

ईंट भट्टों में ईंधन के लिए इस्तेमाल होगी धान की पराली, केंद्र का पंजाब-हरियाणा को निर्देश

चंडीगढ़, एजेंसी।
हर सर्दी में दिल्ली-एनसीआर की दमघोंटू हवा को लेकर उठते सवालों के बीच अब वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने पंजाब और हरियाणा सरकारों को निर्देश दिया है कि वे आगामी नंबर महीने से एनसीआर के बाहर स्थित जिलों में ईंट भट्टों में पराली से बने 'बायोमास पेलेट' का उपयोग अनिवार्य करें।

बायोमास पेलेट एक प्रकार का ठोस ईंधन होता है, जो लकड़ी, फसल अवशेषों और कृषि कचरे को संपीड़ित कर बनाए जाते हैं। आयोग का मानना है कि ये पेलेट कोयले का स्वच्छ और व्यावहारिक विकल्प हैं और इससे पराली जलाने की घटनाओं में कमी लाकर वायु प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सकता है।

क्या है आदेश

आदेश के अनुसार, ईंट भट्टों को अपने ईंधन मिश्रण में कम से कम 20 प्रतिशत धान की पराली से बने पेलेट का उपयोग करना होगा। इसके अलावा इसके उपयोग को एक नवंबर 2026 से इसे बढ़ाकर 30 प्रतिशत, एक नवंबर 2027 से बढ़ाकर 40 प्रतिशत और एक नवंबर 2028 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया जाना चाहिए। यह आदेश सभी ईंट भट्टों पर लागू होगा, जिनमें 'जिग-जैग फायरिंग' तकनीक का उपयोग करने वाले भी शामिल हैं।

क्या कहते हैं आकड़े

यह पहली बार है जब एनसीआर के बाहर के जिलों को भी इस दिशा में नियमबद्ध किया गया है। आयोग ने पहले केवल दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के ईंट भट्टों में स्वच्छ ईंधन के उपयोग की सिफारिश की थी। आंकड़ों के अनुसार, हृष्टक्र में अभी भी 3,000 से अधिक ईंट भट्टे चलते हैं, जिनमें अधिकांश कोयले पर निर्भर हैं। पराली आधारित बायोमास के उपयोग से इन भट्टों के प्रदूषण स्तर को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। गौरतलब है कि यह निर्णय न केवल प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में एक अहम कदम है, बल्कि पराली जलाने की समस्या का व्यावसायिक और टिकाऊ समाधान भी पेश करता है, जिससे किसान, उद्योग और पर्यावरण - तीनों को लाभ मिलेगा।

सोसायटी के गार्ड से दोस्ती और पलभर में बाइक पार, ग्रेटर नोएडा का शातिर चोर गैंग पकड़ा गया

ग्रेटर नोएडा एजेंसी।
बिसरख कोतवाली पुलिस ने सोसाइटी की पार्किंग से बाइक चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर चार बदमाशों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से चोरी की 25 बाइकें बरामद हुईं। गिरोह का सरगना सोसाइटी के गेट पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों से दोस्ती कर अंदर घुसता और पार्किंग में खड़ी बाइक को मास्टर चाबी से चोरी कर फरार हो जाता था।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि बिसरख थाना पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह के चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान गिरोह के सरगना रोहताश निवासी जिला एटा, हाल पता क्रॉसिंग रिपब्लिक गाजियाबाद, चांद निवासी विजयनगर गाजियाबाद, कालेश प्रताप निवासी इटावा, हाल पता विजयनगर गाजियाबाद और रामकुमार निवासी जिला छतरपुर मध्य प्रदेश, हाल पता सादुल्लापुर गांव थाना बादलपुर के रूप में हुई।

डीसीपी के मुताबिक गिरोह का सरगना रोहताश वाहन चोरी का मास्टरमाइंड है। वह मास्टर चाबी से बाइक चोरी की घटना को अंजाम देता था। रोहताश ने ग्रेनो वेस्ट की कई सोसाइटी में वाहन चोरी की घटनाओं

को अंजाम दिया है। रोहताश सोसाइटी से बाइक चोरी कर बाहर खड़े अपने साथी को सौंप देता था। इसके बाद आरोपी चोरी के वाहन को आसपास बंद पड़ी बिल्डिंग में छिपा देते थे। आरोपियों की निशानदेही पर एक अर्ध निर्मित बिल्डिंग से चोरी की 25 बाइक बरामद की गईं।

पुलिस के मुताबिक गिरोह का सरगना रोहताश सोसाइटी के सुरक्षाकर्मियों को सिगरेट पिलाकर और पान मसाला खिलाकर उनसे दोस्ती करता था। इसके बाद नजर बचते ही बाइक चोरी की घटना को अंजाम देकर फरार हो जाता था। सोसाइटी में घूमते फिरते हुए ऐसे आता था, जैसे पहले से परिचित हो, इसलिए उस पर कोई शक भी नहीं करता था। डीसीपी का कहना है कि इस संबंध में सुरक्षाकर्मियों की भी जांच की जाएगी। यदि सुरक्षाकर्मियों की लापरवाही मिलती है तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। डीसीपी ने बताया कि यह गिरोह दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय था। दिल्ली,गाजियाबाद और नोएडा से आरोपियों ने 100 से अधिक बाइक चोरी की हैं। पिछले काफी दिन से वे ग्रेनो वेस्ट से वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। सोसाइटी के अंदर पार्किंग से बाइक चोरी की जा रही थी। पुलिस ने आरोपियों से बिसरख थाना क्षेत्र से चोरी की गई 10 बाइक बरामद की हैं। पुलिस आरोपियों के साथियों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है।

पुलिस पूछताछ के दौरान पता चला है कि यह बदमाश चोरी की बाइक एटा और इटावा के ग्रामीण क्षेत्र में बेच रहे थे। वे चोरी की बाइक को पांच से 10 हजार रुपये में ग्रामीणों को आसानी से बेच देते थे। गिरोह का सरगना खुद एटा का रहने वाला है, जबकि इसका एक साथी इटावा का है। इसके चलते यह दोनों खुद चोरी की बाइक को अपने यहां ले जाकर बेच देते थे। पुलिस इनके द्वारा बेची गई बाइकों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

पुलिस के मुताबिक ये बदमाश सोसाइटी में वाहन चोरी की घटना को अंजाम देते समय कई जगह सीसीटीवी में कैद हुए थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद उनकी तलाश शुरू की थी। गिरोह का सरगना सीसीटीवी फुटेज में बाइक चोरी करता हुआ साफ दिखा था। पुलिस ने उसकी पहचान की और उसे धर दबोचा। उसकी निशानदेही पर चोरी की बाइक बरामद की गई और उसके साथियों को गिरफ्तार किया गया।

ग्रेटर नोएडा में दादरी के 20 गांवों में खत्म होगी पंचायत व्यवस्था, प्रधानी के चुनाव होंगे बंद

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के पास दादरी क्षेत्र के 20 गांवों में पंचायत व्यवस्था अब जल्द खत्म होने जा रही है। प्रशासन ने इसके लिए तैयारियां भी शुरू कर दी है। अब इन गांवों में ग्राम प्रधान के चुनाव भी नहीं होंगे। पंचायत चुनाव को लेकर चल रही परिसीमन की कार्रवाई से इन गांवों को बाहर रखा जाएगा।

एक अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में गांव के परिसीमन का काम चल रहा है। 6 जून तक काम पूरा होना है, जिसके बाद शासन को रिपोर्ट भेजी जाएगी। वहीं, जिन गांवों में ग्राम पंचायतें खत्म होंगी, यह गांव अब नए नोएडा के अधिसूचित क्षेत्र में शामिल हो गए हैं।

इनमें दादरी ब्लॉक के 20 गांव आनंदपुर, राजपुर कलां, रघुनाथपुर पार्ट, फूलपुर, नंगला नैनसुख, मिलक खंदेडा, कोट, फजलपुर, देवटा, दयानगर, छांयसा, चीती, चीरसी, चंद्रावल, नई बस्ती, बील अकबुरपुर, आनंदपुर शामिल हैं।

गौरतलब है कि वर्तमान में जिले में 82 ग्राम पंचायतें हैं। न्यू नोएडा के अधिसूचित क्षेत्र में 20 गांवों के हटने के बाद मात्र 62 गांवों में पंचायत व्यवस्था बचेगी। डीपीआरओ विभाग के अधीन सिर्फ इन्हीं गांवों में विकास कार्य किए जाएंगे, अन्य सभी प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में शामिल होंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवों के संपर्क मार्ग जल्द दुरुस्त किए जाएंगे। प्रथम चरण में दनकौर के कुलीपुरा से पंचायतन और सिकंद्राबाद-दनकौर मार्ग से जुनैदपुर की मढैया समेत चार सड़कों के लिए टेंडर निकाले गए हैं। प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक नागेंद्र सिंह ने बताया कि सर्वे कर उन संपर्क मार्गों को चिह्नित कर लिया गया है, जिनको दुरुस्त कराया जाना जरूरी है। कुलीपुरा से पंचायतन गांव तक की 300 मीटर लंबी सड़क को दुरुस्त करने के साथ दोनों तरफ जल निकासी के लिए आरसीसी नाली का निर्माण कराया जाएगा। सिकंद्राबाद- दनकौर मार्ग से जुनैदपुर की मढैया को जोड़ने वाली लगभग 3 किलोमीटर लंबी को दुरुस्त किया जाएगा।

गुरुग्राम के सेक्टर-21 में जमकर गरजा बुलडोजर, 20 कबाड़ गोदाम और 30 झुग्गियां मलबे में तब्दील?

गुरुग्राम , एजेंसी। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) की अधिग्रहित करीब 15 एकड़ जमीन पर मंगलवार को बुलडोजर चला। इस जमीन की कीमत सैकड़ों करोड़ रुपये है। अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी कि यदि दोबारा अतिक्रमण किया तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नोडल अधिकारी, तोड़फोड़ आरएस बाठ के नेतृत्व में सुबह 11 बजे एचएसवीपी का तोड़फोड़ दस्ता सेक्टर-21 में पहुंच गया। तोड़फोड़ दस्ते के पहुंचने के साथ ग्रामीणों ने विरोध करना शुरू कर दिया। बाठ को ग्रामीणों ने बताया कि इस जमीन के अधिग्रहण पर अदालत का स्टे है।

बाठ ने जवाब दिया कि जमीन पर स्टे है तो कोई मकान या दुकान का निर्माण नहीं कर सकता है। इस जमीन पर किसी तरह की व्यावसायिक गतिविधियां नहीं की जा सकती हैं। तोड़फोड़ दस्ते ने 20 कबाड़ गोदाम और 30 झुग्गियों को मलबे में मिला दिया। कनिष्ठ अभियंता आनंद ने बताया कि करीब 15 एकड़ जमीन को खाली करवाया है। यदि दोबारा कब्जा करते हैं तो उनके खिलाफ मामला दर्ज करवाया जाएगा।

उपमंडल अधिकारी अजमेर सिंह ने बताया कि दो दिन पहले अवैध कब्जों को हटाने के लिए मुनादी करवाई गई थी, लेकिन कब्जे नहीं हटाए गए। इसको लेकर बुलडोजर की कार्रवाई हुई। इस मौके पर संजीव यादव, दयानंद, वीरेंद्र, बलविंद्र आदि मौजूद रहे।

आंगनवाड़ी में अब बच्चों को परोसी जाएगी अंडा बिरयानी

3 साल के मासूम ने की थी मांग

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी।
तीन साल के एक बच्चे का वीडियो हाल ही में वायरल हो गया था, जिसमें वह आंगनवाड़ी में अंडा बिरयानी और पुलाव देने की मांग कर रहा था। उसकी मांग सरकार तक पहुंच गई, जिसके बाद यह फैसला लिया गया कि अब आंगनवाड़ी में बच्चों को अंडा बिरयानी परोसी जाएगी। केरल की सरकार ने बच्चे की मांद और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी पोषक तत्वों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया है।

आपको बता दें कि तीन साल के मासूम त्रिजल एस सुंदर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें वह उपमा की जगह बिरयानी और चिकन फ्राई की फरमाइश करता दिखा। यह वीडियो 26 जनवरी को उसकी मां द्वारा रिकॉर्ड किया गया था, जब वह घर पर उसे बिरयानी खिला रही थी। त्रिजल ने मासूमियत से कहा, आंगनवाड़ी में उपमा नहीं चाहिए, बिरयानी और चिकन फ्राई चाहिए। मां ने यह वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया।

मंत्री ने निभाया वादा, बच्चों को मिलेगा नया मेनू: इस वीडियो को देखते हुए राज्य की स्वास्थ्य, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री वीणा जॉर्ज ने कहा था कि सरकार त्रिजल उर्फ शंकू

की इस मासूम मांग पर विचार करेगी। मंगलवार को पठानमथिट्टा जिले में नए शैक्षणिक वर्ष के उद्घाटन अवसर पर मंत्री ने वादा निभाते हुए आंगनवाड़ियों के लिए नया मेनू जारी किया।

उन्होंने कहा, यह पहली बार है जब राज्यभर की सभी आंगनवाड़ियों के लिए एक भोजन सूची लागू की गई है। इसमें बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए नमक और चीनी की मात्रा को कम किया गया है। वहीं स्वाद और पोषण बढ़ाने के लिए अंडा बिरयानी और पुलाव को शामिल किया गया है।

अंडा बिरयानी और पुलाव जैसे व्यंजन अब सप्ताह में नियमित रूप से परोसे जाएंगे। दूध और अंडा, जो पहले दो दिन मिलते थे, अब सप्ताह में तीन दिन दिए जाएंगे। ब्रेकफास्ट, लंच और सामान्य पोषण आहार के मेनू में व्यापक बदलाव किए गए हैं।

राज्य सरकार ने हाल ही में आंगनवाड़ियों को स्मार्ट आंगनवाड़ी में बदलने की प्रक्रिया शुरू की है। इसमें बच्चों के लिए पढ़ाई, आराम, खेल और भोजन की समुचित व्यवस्था होगी। जैसे कि स्टडी रूम, किचन, डाइनिंग एरिया, प्ले एरिया और गार्डन।

गाली देने के विरोध पर मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के कस्बा फरीदनगर में गाली देने का विरोध करने पर दबंग ने धारदार हथियार से पीठ पर वार का युवक को घायल कर दिया। कस्बा फरीदनगर निवासी फईम ने बताया कि मंगलवार देर रात वह तकिया मैदान में बैठा था। इसी बीच सलमान आया और गाली देने लगा। इसका विरोध करने पर सलमान ने पीठ पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ थाने में तहरीर दी है।

डेबिट कार्ड बदलकर 20 हजार रुपये निकाले

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के बिसोखर गांव निवासी पूनम देवी ने बताया कि पुत्री इशिका हरमुखपुरी कॉलोनी के सामने एटीएम से रुपये निकालने गई थी। पुत्री ने नौ हजार रुपये निकाले। इसी बीच एक व्यक्ति आया और बातों में उलझाकर पुत्री से डेबिट कार्ड बदल लिया। मोबाइल पर आए मैसेज से पता चला कि उनके बैंक खाते से 20 हजार रुपये कट गए। पीड़िता ने बैंक में सूचना देने के बाद पुलिस को तहरीर दी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही।

युवक का शव कमरे में मिला

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के शास्त्रीनगर में बुधवार को युवक का शव कमरे में पड़ा मिला। पुलिस के अनुसार, शात्रीनगर में 35 वर्षीय राजेश कुमार किराये के कमरे में अकेले रहते थे। बुधवार को कमरे से दुर्गंध आने पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो राजेश का शव बेड पर पड़ा था। राजेश मजदूरी करते थे। एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ऑटो चालक ने बाइक सवार पिता पुत्र को मारी टक्कर, मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। दिल्ली सीमा के नजदीक लोनी के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र स्थित दिल्ली सहारनपुर रोड पर तेज रफ्तार ऑटो चालक ने बाइक सवार पिता पुत्र को टक्कर मार दी। विरोध जताने पर चालक ने दोनों के साथ मारपीट की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। पाबी सादकपुर गांव में रहने वाले वकालत की गांव में परचून की दुकान है। उनका पुत्र जुनैद इलेक्ट्रिशियन का कार्य करता है। उन्होंने बताया कि सुबह दस बजे वह बेटे के साथ दुकान जा रहे थे। इस दौरान तेज गति में आ रहे एक ऑटो से वह बाल बाल बचे, लेकिन दूसरे ऑटो की टक्कर लगने से दोनों रोड पर गिर गये। विरोध जताने पर ऑटो चालकों ने दोनों के साथ मारपीट की। जिससे बेटे के बाएं हाथ की हड्डी टूट गई और उन्हें गंभीर चोट आई। सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम मुताबिक पीड़ित की शिकायत पर ऑटो चालक व अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई।

फैक्टरी में लूट का खुलासा जल्द करने के निर्देश दिए

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विनोद वैशाली की फैक्टरी में लूट के मामले में बुधवार को अतिरिक्त सीपी आलोक प्रियदर्शी ने मौका मुआयना किया। उन्होंने थाना पुलिस को शीघ्र खुलासा करने के निर्देश दिए। वैशाली एंक्लेव कॉलोनी निवासी विनोद कुमार वैशाली नगर पालिका परिषद परिषद मोदीनगर के अध्यक्ष हैं। गोविंदपुरी-सारा मार्ग पर उनकी बैनर, होर्डिंग्स बनाने की फैक्टरी है। 27 मई को दो नकाबपोश बदमाशों ने फैक्टरी के चौकीदार रामलाल को बंधक बनाया और फैक्टरी परिसर स्थित चेयरमैन के ऑफिस से आठ लाख रुपये, फैक्टरी में काम करने वाली महिलाकर्मी के 15 लाख रुपये कीमत की जूलरी लूटकर ले गए। महिलाकर्मी ने ऑफिस की अलमारी में आभूषण रखे थे। लेकर एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि अतिरिक्त सीपी आलोक प्रियदर्शी ने फैक्टरी का जायजा लेने के बाद चेयरमैन से घटना की जानकारी ली। प्रत्येक बिंदुओं पर जांच की गई। थाना पुलिस को गाइड लाइन भी दी गई है, जिससे जल्द ही खुलासा कर दिया जाएगा।

दो ई-रिक्शा की टक्कर होने से डेढ़ वर्षीय बच्चा मां की गोद से जमीन पर गिरा, बच्चे की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। नोएडा सेक्टर 15 के नयाबांस गांव के पास मंगलवार रात दो ई-रिक्शा के बीच टक्कर होने के कारण एक महिला की गोद में बैठा बच्चा नीचे गिर गया और सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। नोएडा में 'फेस-वन' के थाना प्रभारी अमित कुमार मान ने बताया कि सेक्टर-16 की जे जे कॉलोनी निवासी ज्योति अपने डेढ़ वर्षीय बच्चे राघव के साथ ई-रिक्शा में सवार होकर नयाबांस गांव जा रही थी, तभी गांव के पास एक अन्य ई-रिक्शा चालक ने उनके ई-रिक्शा को टक्कर मार दी और ज्योति की गोद में बैठा हुआ राघव नीचे गिर गया। उन्होंने बताया कि राघव के सिर में गंभीर चोट आने के कारण उसे नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बुधवार सुबह उसकी मौत हो गई। मान ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि बच्चे के पिता अशोक की छह माह पूर्व किसी बीमारी के कारण मौत हो गई थी।

क्रिकेट मैच देखकर लौट रहे युवक से मोबाइल लूटा

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। बाइक सवार बदमाश ने शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम में क्रिकेट मैच देखकर घर जा रहे युवक को राश्ते में रोककर मोबाइल लूट लिया। बदमाश घटना को अंजाम देकर आसानी से फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लुटेरे की तलाश शुरू कर दी है। सेक्टर अल्फा-1 में गौरव जोशी परिवार के साथ रहते हैं। गौरव ने पुलिस को बताया कि वह मंगलवार की रात करीब 10:30 बजे शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम में क्रिकेट मैच देखकर अपने घर लौट रहे थे। वह स्टेडियम से कुछ दूर चले तो बाइक सवार बदमाश उनके पास पहुंचा और हाथ से मोबाइल झपटकर ले गया। पीड़ित ने कुछ दूर तक बाइक सवार का पीछा भी किया, लेकिन वह आसानी से फरार हो गया। पीड़ति ने घटना की शिकायत पुलिस से की है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घोडा बुग्गी चालक की दर्दनाक मौत

गुस्साए ग्रामीण व परिजनों ने शव रोड पर रखकर लगाया जाम

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

नहटौर नूरपुर मार्ग पर स्थित ग्राम नन्हेड़ा भट्टे के निकट अज्ञात वाहन ने भट्टा मजदूर की घोड़ा बुग्गी में पीछे से टक्कर मार दी। जिस से मजदूर ट्रैक की चपेट में आ गया। जिससे मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सुचना परिवार वालों व ग्रामीणों को मिलने पर परिजन व ग्रामीण मौके पर पहुंचे ओर कार्रवाई की मांग को लेकर सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया। जाम लगाने की सूचना पर कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई।

जानकारी के अनुसार नहटौर नूरपुर मार्ग पर स्थित ग्राम नन्हेड़ा में मतीन अहमद का भट्टा है। जिस पर अवनीश पुत्र छुड़वा निवासी ग्राम सिजोली घोड़ा बुग्गी से कच्ची ईंट लाने ले जाने का कार्य करता था। आज सुबह करीब पांच बजे अवनीश घोड़ा बुग्गी से ईंट ले जा रहा था।

इस दौरान अचानक पीछे से अज्ञात वाहन ने घोड़ा बुग्गी में टक्कर मार दी। जिस से अवनीश ट्रक की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही घटना स्थल पर दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मृतक ग्रामीण व परिजन मौके पर पहुंचे। गुस्साए परिजनों व ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया।

पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। साथ ही जाम लगाने की सूचना पर कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई।

तहसीलदार धनराज कुमार,सी ओ नगीना अंजली,थानाध्यक्ष धीरज नगर, कोतवाली देहात प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सोलंकी आदि ने परिजनों से वार्ता कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिसके बाद ग्रामीण व परिजन शांत हुए। करीब एक घंटे में बाद जाम खोला गया।

पुलिस ने शव का पंच नामा भर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से परिवार का रो रोकर बुरा हाल बना हुआ है।

हिंदू सुरक्षा सेवा संघ प्रदेश मंत्री ऋषि त्यागी का मंडल अध्यक्ष सुभाष शर्मा ने फूल माला पहना कर किया स्वागत

✷ एनसीआर टुडे. कोतवाली देहात ✷

जनपद बिजनौर निवासी ऋषि त्यागी ने 1 जून 2025 को हिंदू सुरक्षा सेवा संघ अयोध्या धाम हनुमानगढ़ी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्री 1008 राजू दास जी महाराज ने उन पर विश्वास करते हुए हिंदू सुरक्षा सेवा संघ का प्रदेश मंत्री नियुक्त किया।

जिसमें आज प्रदेश मंत्री ऋषि त्यागी अपने जनपद बिजनौर के कोतवाली देहात में पहुंचे जहां पर उनको भारतीय जनता पार्टी महेश्वरी मंडल के मंडल अध्यक्ष सुभाष शर्मा ने अपने निवास पर बुलाकर अपने कार्यकर्ताओं के साथ उनका जोरदार फूलमाला पहनकर स्वागत किया। हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के प्रदेश मंत्री ऋषि त्यागी ने कहा कि महाराज जी ने जो मुझे यह दायित्व दिया है।

मैं इसको प्रदेश मंत्री के रूप में दी गई जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा। हिंदुत्व के लिए दिन प्रतिदिन कार्य करता रहूंगा।

प्रदेश मंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में बकरा ईद आने वाली है और प्रशासन से यह भी अपील की कि कोई भी व्यक्ति प्रतिबंधित पशुओं की बलि न दे।

अगर ऐसा कोई करता वहां पकड़ा गया या सूचना मिले तो उसके विरुद्ध प्रशासन कठोर कार्यवाही करें। स्वागत में मंडल अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी सुभाष शर्मा, मंडल कोषाध्यक्ष सतीश त्यागी, पिछला मोर्चा के मंडल अध्यक्ष नरपल सैनी, मंडल उपाध्यक्ष मेघराज चौहान, सेक्टर संयोजक अनिल बिश्नोई, अनिल चौधरी, रॉबिन चौधरी आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन ने आवारा पशु पकड़कर ब्लॉक में बांध किया प्रदर्शन

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

क्षेत्र में घूम रहे आवारा पशुओं से परेशान होकर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के कार्यकताओं ने क्षेत्र के अलग अलग गांव से आवारा पशुओं को पकड़कर ब्लॉक परिसर में बांधकर जमकर नारेबाजी की।

राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष प्रधान उदित चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ता क्षेत्र के गांव नकीबपुर, फलोदी, माहू नंगली, दिल्ली मुर्शदपुर आदि गांव से आवारा पशुओं को पकड़कर ब्लॉक परिसर पर पहुंचे ओर उन्होंने आवारा पशुओं को ब्लॉक परिसर में बांध दिया। किसानों का कहना था कि आवारा पशु किसानों की फसलों को बर्बाद कर रहे है।

साथ ही इंसानों पर हमला भी कर रहे है। ब्लॉक के अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराने के बाद भी ब्लॉक के अधिकारियों ने समस्या का समाधान नहीं किया है। अधिकारियों द्वारा आश्वासन के अलावा कुछ ओर नहीं मिलता है। किसानों ने चेतावनी दी कि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो क्षेत्र में घूम रहे सभी आवारा पशुओं को पकड़कर ब्लॉक कार्यालय पर लाकर बांध दिया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस मौके पर जोगेंद्र सिंह, सत्यपाल सिंह, बलवीर सिंह, देव त्यागी,खिलेंद्र आदि किसान कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नोएडा थार कांड : कमिश्नर लक्ष्मी सिंह की सख्त कार्रवाई, थानाधिकारी और चौकी प्रभारी सस्पेंड

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

नोएडा के सेक्टर-53 में दो दिन पहले हुई मारपीट की घटना ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। इस मामले में अब पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना सेक्टर-24 के प्रभारी निरीक्षक श्यामबाबू शुक्ला और गिझोड़ चौकी प्रभारी उप-निरीक्षक जगमोहन सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, मारपीट की यह घटना 2 जून को सेक्टर-24 थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई थी, जिसमें दो पक्षों के बीच विवाद के दौरान दो भाइयों पर जानलेवा हमला किया गया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि दर्जनों लोगों ने मिलकर दो भाइयों को बेरहमी से पीटा। हमलावरों ने ईंट-पत्थरों से वार किया और

एक पीड़ित को थार गाड़ी से कुचलने की कोशिश भी की।

यह घटना न केवल दिल दहला देने वाली थी, बल्कि कानून-व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। मामले की गंभीरता के बावजूद, थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी ने न केवल घटना को वरिष्ठ अधिकारियों से छिपाया बल्कि एफआईआर भी बेहद हल्की धाराओं में दर्ज की।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए गए। यह पुलिस विभाग में लापरवाही, अनुशासनहीनता और कर्तव्यों के प्रति उदासीनता का स्पष्ट उदाहरण माना गया।

सोशल मीडिया पर मामले के वायरल होने के बाद पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने तत्काल संज्ञान लेते हुए दोनों अधिकारियों को निलंबित करने का आदेश जारी किया।

इसके साथ ही विभागीय जांच के निर्देश भी दिए गए हैं, जिससे घटना के सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा सके। पुलिस विभाग की इस कार्रवाई को आमजन और सोशल मीडिया पर जनता का समर्थन भी मिल रहा है।

लोग उम्मीद जता रहे हैं कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं पर सख्त नजर रखी जाएगी। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने साफ कर दिया है कि लापरवाह अधिकारियों को अब बख्शा नहीं जाएगा और कानून के रखवालों को भी जवाबदेह बनना होगा।

किसानों को जमकर लूटने में लगी सहकारी समितियां होगा आंदोलन : सुजीव

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

किसान सहकारी समितियो मे किसानो से लोन पर लिये जा रहे सात परतिशत ब्याज बिना किसी सरकार के लिखित आदेश के बिना वसूला जा रहा है। जिसका भारतीय किसान यूनियन टिकैत पुरजोर विरोध करती है। मालूम हो कि सरकार ने पिछले दिनो सहकारी समितियो से किसानो को दीये गये लोन से जबरन समिति सात परतिशत वसूल रही है। जो सरासर गलत है।

भाकियू के जिला उपाध्यक्ष सुजीव चौधरी ने जारी एक प्रेस बयान मे कहा कि सरकार ने किसानो को तीन परतिशत पर लोन दिया था। मगर अब सात परतिशत ब्याज वसूला जा रहा है। जबकि सहकारी समितियो के पास सरकार द्वारा लिखित मे कोई आदेश भी जारी नही किया गया है।

जिला उपाध्यक्ष सुजीब चौधरी ने आगे कहा कि अगर जल्द समितियो ने इस अवैध उगाही पर रोक नही लगायी तो उन्हे बुरा परिणाम भुगतना पडेगा। उनका कहना है कि कृषि प्रधान देश मे सबसे बुरी स्थिति किसान ओर मजदूर की ही है। किसान को उसकी फसल का वाजिब दाम नही मिल रहा है।

इतने पर भी ब्याज बढाकर किसान को सरकार दोहरी मार मारना चाहती है। जिसका मुह तोड जबाब दिया जायेगा। उन्होने आगे कहा कि अगर सरकार अपनी हठधरमिता दिखाते हुए जबरन सात परतिशत ब्याज वसूलती है। तो जल्द आकू समिति पर एक बडा आन्दोलन किया जायेगा।

जमीनी विवाद के चलते ताऊ ने भतीजी के पेट में तलवार घोंप दी

✷ एनसीआर टुडे. शेरकोट ✷

क्षेत्र में उस वक्त सनसनी फेल गई, जब जमीनी विवाद के चलते सगे ताऊ ने अपनी नवविवाहिता भतीजी के पेट मे तलवार घोंप दी। बेटी को पिता बचाने आए तो उनके ऊपर भी तलवार से वार कर दिया।, घायल लड़की की आंत बाहर आ गई। जिसको नाजुक हालत मे हायर सेन्टर रेफर कर दिया गया। शेरकोट के गांव उमरपुर आशा मे दो सगे भाइयो प्रदुमन और अनिरुद्ध के बीच जमीनी विवाद को लेकर पुरानी रंजिश चल रही है। दोनो भाइयो के बीच कई साल पहले भी खूनी संघर्ष हुआ था।

आज अनिरुद्ध तारीख पर गए थे। वहा से आने के बाद वह घर के पास शिव मंदिर पर बैठे थे। उनकी नवविवाहिता बेटी रिंकी उम्र लगभग 24 वर्ष पिता को खाना खाने के लिए शिव मंदिर से बुलाने आई थी। तभी रंजिशन ताऊ प्रदुमन ने भतीजी रिंकी के पेट मे तलवार घोंप दी,। पिता ने बचाने का प्रयास किया तो उनके ऊपर भी वार कर दिया। वारदात को अंजाम देकर आरोपी मौके से भाग निकला।, लड़की गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसकी आंत भी बाहर आ गई। जिसे मौके पर पहुंची पुलिस गाड़ी मे डालकर अस्पताल ले गई। बाद मे एम्बुलेंस आई और घायल पिता को भी अस्पताल ले गई। घटना से गांव मे सनसनी फेल गई। बता दे की घायल रिंकी 20 मई को मेहमदाबाद से शादी हुई थी ।उनके पति उधम सिंह भी आये हुए थे। घटना के बाद मुख्य आरोपी प्रदुमन, उनकी पत्नी राधा फरार हो गए। थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच में जुटे हैं।

ऑल इंडिया, मजलिस के कार्यकर्ताओं ने, उप जिलाधिकारी को दिया ज्ञापन

एनसीआर टुडे. नगीना। ऑल इंडिया मजलिस के कार्यकर्ताओं ने, उप जिलाधिकारी को विज्ञापन सौंप कर ईद के मौके पर सफाई व्यवस्था दुरुश्त करने के लिए एक ज्ञापन दिया।

ज्ञापन में कहा गया है कि ईद उल अज़्हा के त्यौहार, को देखते हुए, शहर में पानी, सफाई व्यवस्था, वह बिजली सुचारू करने की मांग की गई है। लोगों से अपील की गई है कि, कुर्बानी के बाद, उनके अवशेषों को, नियत स्थान पर ही डालें, तथा निर्धारित, जगह पर ही कुर्बानी करें, ज्ञापन पर मोबिन उर्फ गुड्डू, सलीम अहमद बिट्टू, समसुल,कमर, मोहम्मद इदरीश, अल्ताफ सुहैल, खान मेज अंसारी, मोहम्मद जावेद, सैयद उस्मान, के ज्ञापन पर हश्ताक्षर मौजूद है

दूसरे धर्म के लोगो की भावनाओं का ध्यान रखकर त्यौहार मनाएं : सलीम सैफी

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

आगामी बकरा ईद को लेकर युवा समाजसेवी भाजपा युवा नेता सलीम सैफी ने मुसलमानों से खास अपील करते हुए कहा कि यह त्योहार कुर्बानी, इबादत, अनुशासन और इंसानियत का प्रतीक है, जिसे हम सबको पूरे अमन और भाईचारे के साथ-साथ दुसरे धर्म के लोगो की भावनाओं को ध्यान में रखकर मनाना चाहिए।

सलीम सैफी ने विशेष रूप से मुस्लिम भाइयों से अपील करते हुए कहा कि वे न तो सरकार द्वारा प्रतिबंधित जानवर की कुर्बानी करें ओर न ही खुले में कुर्बानी करे। कुर्बानी सिर्फ घर में या प्रशासन द्वारा तय स्थानों पर ही की जाए।

उन्होंने कहा कि पशु के अवशेष, खून और हड्डियाँ गलियों, सड़कों या नालियों में फेंकना गैर-जिम्मेदाराना के साथ - साथ बिमारियों को दवात देने वाला भी है।उन्होंने अपील की कि कुर्बानी के बाद जानवरों के अवशेष को गड्डे में दबा दें।

उन्होंने कहा कि कुर्बानी सिर्फ जानवर काटने का नाम नहीं, बल्कि अपने अंदर के घमंड, नफरत और बुराई की कुर्बानी देने का नाम है।

सलीम सैफी ने कहा कि बकरा ईद की नमाज सिर्फ ईदगाह या मस्जिदों में ही अदा की जाए। सड़कों, चौराहों या सार्वजनिक स्थलों पर नमाज अदा करने से बचें। ऐसा करने से सामान्य जनजीवन बाधित होता है और अनावश्यक

विवाद की स्थिति पैदा होती है। उन्होंने मुस्लिम भाइयों से अपील की कि हर कीमत पर शासन-प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाइन का सख़्ती से पालन करें, गाइडलाइन का उल्लंघन न करें, जिम्मेदार नागरिक बनकर अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करें। गाइडलाइन का पालन करना हर नागरिक का दायित्व है, खासतौर से धार्मिक अवसरों पर जब समाज की निगाहें हमारी ओर लगी होती हैं।

सलीम सैफी ने बकरा ईद को शांतिपूर्ण, साफ-सुथरे और संयमित ढंग से मनाने की अपील की। साथ ही उन्होंने प्रशासन से बकरा ईद के अवसर पर साफ-सफाई, कूड़ा प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुख्ता इंतजाम करने की अपील की। उन्होंने कहा अगर हम सब मिलकर सौहार्दयपूर्ण माहौल में त्योहार मनाएं, तभी त्योहार की असली रौनक और उद्देश्य पूर्ण होता है।

सलीम सैफी ने यह भी कहा कि कोई ऐसा कार्य न किया जाए जिससे किसी अन्य समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचे। कुर्बानी एक इबादत है, इसे दिखावे या प्रदर्शन का रूप न दिया जाए। आज के समय में जब समाज में कई तरह की गलतफहमियाँ फैलाई जा रही है, तब हर मुसलमान को चाहिए कि वह जिम्मेदारी के साथ पेश आए और ऐसा कोई काम न करे जिससे इस पवित्र पर्व की छवि पर आंच आए।

उन्होंने सभी से अंत में यही अपील की कि बकरा ईद को कुर्बानी, अनुशासन, सफाई और भाईचारे के साथ मनाएं। कुर्बानी के समय शरई और कानूनी नियमों का विशेष ध्यान रखें। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि खुदा की राह में सब कुछ कुर्बान करना ही असली कुर्बानी है।

अवैध खुदाई करने पर केस

एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा। तुस्याना गांव में अवैध रूप से बेसमेंट की खुदाई करने और मिट्टी खनन के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज करवाया।

प्राधिकरण के सहायक प्रबंधक ने सेक्टर ईकोटेक-3 कोतवाली में शिकायत दी थी। प्रबंधक राजीव कुमार के मुताबिक बिसरख जलालपुर गांव के रहने वाले अशोक यादव ने अधिसूचित क्षेत्र के तुस्याना गांव की जमीन के खसरा संख्या 85 पर अवैध रूप से बेसमेंट की खुदाई की जा रही है।

खनन खनन अधिकारी की मिलीभगत से चल रहा मिट्टी का अवैध खनन

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

बिजनौर जनपद के धामपुर तहसील क्षेत्र अंतर्गत के अल्हैपुर ब्लॉक क्षेत्र के हरेवली निंडरू मिल्क भज्जावाला गांव में खनन विभाग की सरपरश्ती में इन दिनों मिट्टी के अवैध खनन का धंधा परवान पर है।

खनन माफिया धरती की कोख छलनी कर रहे हैं। खनन फावड़े के बजाय जेसीबी से हो रहा है। यह सब खनन अधिकारी की मिलीभगत से चल रहा है। बिजनौर जिले के आला अधिकारियों तक इस बात की सूचना होने के बावजूद अभी तक किसी प्रकार की कार्यवाही खनन माफियाओं के खिलाफ नहीं की गई।

एनजीटी के आदेशों को पुरी तरह हवा में उड़ाते हुए खनन माफिया,खनन अधिकारी से सेटिंग कर धड़ल्ले से अपना काम कर रहे हैं।

धामपुर तहसील के गांव में दिन - रात खनन कर दर्जनों डम्फर व सैकड़ों ट्रैक्टर ट्रालियां सड़कों पर दौड़ रही हैं। मिट्टी खनन की शिकायतें,लोगों ने कई बार जिम्मेदार अधिकारियों से की लेकिन खनन माफियाओं पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस कारण खनन माफिया भराव के नाम पर ठेका ले रहे हैं। यह है नियम मिट्टी के खनन के लिए खनन विभाग की अनुमति जरूरी है।

इसके लिए निर्धारित रूप पर डीएम,एडीएम, खनन अधिकारी और बीडियो के नाम पर एप्लीकेशन देनी होती है। आवेदक को जिस स्थान से मिट्टी लाई जा रही है उसकी खतौनी के अनुसार भू - स्वामी का भी पूरा ब्यौरा देना होता है।

यह भी सूचना देनी होती है कि कितनी मिट्टी का खनन हो रहा है जहां मिट्टी खोदी जा रही है वहां से निर्माण स्थल कितनी दूर है।

मिट्टी ढोने वाले वाहन का नंबर चालक का नाम और उसका मोबाइल नंबर भी बताना होता है। इसके साथ खनन अधिकारी बिजनौर के बड़े बड़ें खनन माफिया है। उन पर कोई कार्रवाई नहीं करता जो छोटे-मोटे लोग ट्रैक्टर चला कर अपना पेट पलते हैं उन पर ही कार्रवाई करता है।

संपादकीय

अवांछित तत्वों के कारण असुरक्षित होता यातायात

हमारे देश में रेलगाड़ियों व बसों को आम यात्रियों के मुख्य यातायात के साधन के रूप में देखा जाता है। देश के अधिकांश यात्री एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिये प्रायः इन्हीं साधनों का इस्तेमाल करते हैं। केंद्र सरकार जहाँ यात्रियों की सुविधाओं के लिये समय समय पर नई,आधुनिक व तीव्र गामी रेलगाड़ियां संचालित करती रहती है वहीं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा भी जनता की सुविधा के लिये बसों के नये बेड़े शामिल करने की ख़बरें आती रहती हैं।

परन्तु यात्रियों के आवागमन को सुचारु बनाने की इन कोशिशों के बीच सरकार का ध्यान शायद यात्रियों व उनके सामानों की सुरक्षा पर नहीं पहुँच पाता। यह त्रासदी भी केवल सामान्य, मेल-एक्सप्रेस ट्रेन्स व सामान्य बसों की ही है, जबकि वनदे भारत व शताब्दी जैसी रेलगाड़ियां व वाल्वो सेवा जैसी अन्य मंहगी बस सेवाओं में बेशक यात्रियों की सुरक्षा काफ़ी हद तक बनी रहती है।

अधिक किराया वसूलने वाले यातायात के इन माध्यमों में अवांछित लोगों को घुसने ही नहीं दिया जाता। जबकि ठीक इसके विपरीत सामान्य व मेल एक्सप्रेस ट्रेन्स में व सरकारी व ग़ैर सरकारी निजी बसों में कोई भी व्यक्ति किसी भी रूप में घुस सकता है और वह अपनी मर्ज़ी के मुताबिक़ यात्रियों की चिंताओं को बढ़ा सकता है या उन्हें परेशानी में डाल सकता है।

यदि हम ट्रेन की बात करें तो भीख मांगने वालों से लेकर भगवा वस्त्र धारण किये लाखों लोग रोज़ाना बिना टिकट के ट्रेन्स में यात्रा करते हैं। गोया इन्होंने भगवा वस्त्र को ट्रेन यात्रा का फ़्री पास समझ रखा है। यह केवल यात्रा ही नहीं करते बल्कि टिकटधारी यात्रियों के लिये बड़ी सिरदर्दी का कारक भी बनते हैं। चलती ट्रेन में गेट पर बैठे रहना तो गोया इनकी आदत में शामिल है ही, इसके अलावा ट्रेन में बीड़ी सिगरेट यहाँ तक कि शराब भी पीते हैं,वाशरूम में गंदगी फैलाते हैं।

कोई इन्हें रोकने टोकने वाला नहीं। यदि कोई यात्री इनकी हरकतों पर इन्हें टोके तो यह अवांछित यात्री उसे अपमानित करने पर उतारू हो जाते हैं। इसी तरह भिखारी, हिजड़े, अनिधकृत वेंडर्स आदि सभी को मुफ़्त रेल यात्रा की खुली छूट मिली हुई है। कोई कान फोडू गीत संगीत सुनाकर पैसे वसूलता है तो कोई हिजड़ा मुंह पर तालियां ठोक कर पैसे मांगता है। पैसे न देने पर तो यह किसी किसी यात्रियों को थप्पड़ भी जड़ देते हैं। यदि आप यू पी और बिहार की ओर ट्रेन यात्रा करें तो इस रुट पर भी अनेक महिलाएं व हिजड़े पैसे मांगते नज़र आ जायेंगे।

इसी तरह ट्रेन में कोई व्यक्ति किसी जवान लड़की को साथ लेकर उस लड़की के ब्याह के लिये कन्यादान के रूप में पैसे वसूलने को अपना धंधा बनाये हुए है तो कोई नक़ली अँधा व अपाहिज बनकर पैसे मांगता फिरता है तो कोई झाड़ू लेकर सफ़ाई करने के बहाने यात्रियों से पैसे मांगता है। और इन्हीं अवांछित तत्वों में से कोई भी नज़र बचते ही किसी यात्री का सामान लेकर चंपत हो जाता है।

तो कोई किसी यात्री को ज़हरखुरानी का शिकार बनाकर उसका सामान भी लूट ले जाता है और उसकी जेबें भी ख़ाली कर जाता है। इसतरह के अवांछित नेटवर्क से जुड़े अधिकांश लोग नशे के आदी होते हैं और यात्रियों से पैसे लूट या वसूलकर जुआ व नशे जैसे व्यसन करते हैं। देश के अनेक बड़े व माध्यम श्रेणी के रेल स्टेशंस पर इन्हें सक्रिय देखा जा सकता है। परन्तु आश्चर्य है कि आम लोगों को तो यह सब नज़र आता है परन्तु सरकार व रेल यात्रियों की सुरक्षा से संबंधित अमले को यह सब दिखाई नहीं देता? हद तो यह है कि टिकट निरीक्षक जोकि आम इज़्ज़तदार यात्रियों के पास किसी कारणवश टिकट न होने या उपयुक्त टिकट न होने पर उसे अपमानित करने पर उतारू हो जाता है या उसपर जुर्माना ठोक देता है अथवा ट्रेन से नीचे उतरने हेतु उसे बाध्य कर देता है उस टिकट निरीक्षक को भी बेटिकट यात्रा करने व यात्रियों की सुरक्षा हेतु ख़तरा बनने वाले ऐसे संदिग्ध व अवांछित तत्व नज़र नहीं आते ?

इसी तरह बसों में भी जहाँ कुछ मेहनतकश लोग पानी, ठंडा,नारियल, कंघी आदि दैनिक उपभोग या खाने पीने की अनेक सामग्रियां बेचकर अपना पेट पालते हैं वहीं इसमें भी कई भिखारी यात्रियों के सर पर कहीं डफ़ली बजाकर पैसे वसूलता है तो कहीं कोई हिजड़ा बसों में घुसकर मुफ़्त यात्रा करते करते लोगों से तालियां बजा बजाकर पैसे मांगता है। यदि आप चंडीगढ़ रुट पर बसों में यात्रा करें तो यह दृश्य आपको अनेक सरकारी व निजी बसों में देखने को मिलेगा।

आश्चर्य है कि ड्राइवर कंडक्टर भी इन्हें नीचे नहीं उतारते। धप्पर टोल पर तो कभी कभी हिजड़ों का पूरा झुण्ड सभी लेन्स पर डटकर खड़ा हो जाता है और बसों ही नहीं बल्कि कारों के भी शीशे पीट पीटकर शीशा खोलने को विवश करता है और पैसे वसूलता है। इस तरह के अवांछित लोगों से व इनकी हरकतों से सभी वाक़िफ़ हैं परन्तु न ही इन्हें कोई नियंत्रित करने वाला है न ही किसी को यात्रियों की सुरक्षा व मान सम्मान की चिंता है। यही वजह है कि इनकी न केवल संख्या बढ़ती जा रही है बल्कि इनके हौसले भी बुलंद होते जा रहे हैं।

सरकार की ओर से देश की छवि चमकाने की तरह तरह की बातें की जाती हैं। कभी विश्व गुरु बनने का डंका पीटा जाता है तो कभी 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन देने का दावा करने वाली इसी सरकार द्वारा ही भारत के विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बनने की बातें की जाती हैं। परन्तु हक़ीक़त तो यही है कि आज भी इस देश में आम यात्री ट्रेन व बसों में सुरक्षित नहीं है। वह बेफ़िक्र होकर अपनी यात्रा नहीं कर सकता। कहना ग़लत नहीं होगा कि अवांछित तत्वों तथा सरकार द्वारा इनकी अनदेखी किये जाने के कारण देश की सामान्य यातायात व्यवस्था पूरी तरह से असुरक्षित है।

भारतीय अर्थव्यवस्था कितनी उज्ज्वल?

डा. वरिंदर भाटिया

ताजा खबरों के अनुसार भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि आज भारत की अर्थव्यवस्था जापान से बड़ी है। इसी कड़ी में आरबीआई ने अपनी ताजातरीन रिपोर्ट जारी करते हुए और इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता और टैरिफ वॉर के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ न सिर्फ खड़ी है बल्कि अप्रैल के महीने में औद्योगिक और सेवा क्षेत्र की गति तेज रही है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अप्रैल 2025 के पूर्वानुमान का हवाला देते हुए आरबीआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था इस साल तेज रफ्तार से आगे बढ़ेगी और जापान को पछाड़ते हुए दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बन सकती है। नीतिगत बदलावों की वजह से वैश्विक श्तर पर अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का रुझान सकारात्मक बना हुआ है। साथ ही रबी फसल की बंपर पैदावार और मॉनसून से सामान्य से अधिक रहने की वजह से ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोग में इजाफा दिख सकता है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वैश्विक व्यापार के बदलने और औद्योगिक नीतियों में बदलाव की वजह से भारत इन देशों के बीच कनेक्टर देश के तौर पर काम कर सकता है, खासकर प्रौद्योगिकी, डिजिटल सेवाएं और फार्मास्युटिकल्स इनमें प्रमुख है। आगे चलकर, भले ही कई गंभीर चुनौतियां नजर आ रही हों, भारत वर्तमान वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए अच्छी स्थिति में है। अनुमान है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अगले छह से सात वर्षों में यानी 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगी। भारतीय अर्थव्यवस्था का 7 फीसदी या उससे अधिक बढन्ना संभव है।

हालांकि, इसने भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने चार चुनौतियां भी पेश की हैं। इनमें सेवा क्षेत्र के लिए एआई का खतरा, एनर्जी सिक्योरिटी और आर्थिक विकास के बीच समझौता और स्किल वर्कफोर्स की उपलब्धता शामिल है। सेवा क्षेत्र के रोजगार पर संभावित प्रभाव के कारण एआई का आगमन दुनिया भर की सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती है। यह भारत के लिए विशेष रुचि का विषय है क्योंकि सेवा क्षेत्र भारत की जीडीपी में 50 फीसदी से अधिक का योगदान देता है। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान तेज रहेगा और 7 फीसदी या उससे अधिक बढन्ने की उम्मीद है।

कुछ विश्लेषकों ने वित्त वर्ष 25 के दौरान भी इसी तरह की विकास गति का अनुमान लगाया है। महिला कार्य बल भागीदारी दर 2017-18 में 23.3 फीसदी से बढक़र 2022-23 में 37 फीसदी हो गई, जो भारत में महिला नेतृत्व वाले विकास की दिशा में एक सकारात्मक बदलाव को दिखाती है।

इस बीच शैक्षिक क्षेत्र, स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में सरकार द्वारा दशकीय सुधार किए गए, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स में सुधार, श्रम बल बाजार में लैंगिक समानता में सुधार, सरकार द्वारा पूंजीगत खर्च को बढ़ावा, बुनियादी ढांचे के विकास, राजकोषीय संतुलन को बनाए रखना, अर्थव्यवस्था का औपचारिकीकरण और जीएसटी सुधार, भुगतान का डिजिटलीकरण, दिवाला और दिवालियापन कोड में सुधार कुछ

नीतिगत हश्तक्षेप हैं, जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को विकास की गति बनाए रखने में मदद की है। हमें निवेश खर्च में वृद्धि, उत्पादकता में सुधार, स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार, अधिक नौकरियां पैदा करना और लैंगिक समानता में सुधार, कृषि उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि, व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखना, वैश्विक रुझानों का प्रबंधन, महिलाओं के लिए नए रोजगार के अवसरों का निर्माण और शासन में सुधार करना होगा, जिससे अगले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

इस घोषणा के बाद जहां कुछ अर्थशास्त्रियों ने इसकी सराहना की, वहीं कई विशेषज्ञों ने इस दावे पर सवाल भी उठाए।

हर बार जब इस तरह के आंकड़े सामने आते हैं, तो आम लोगों के मन में यह सवाल जरूर उठता है कि क्या इस आर्थिक तरक्की का असर उनकी रोजमर्रा की जिंदगी पर भी पड़ा है? अगर एक परिवार में एक व्यक्ति पांच लाख रुपए कमा रहा है और दूसरे परिवार में चार लोग मिलकर पांच लाख कमा रहे हैं, तो सिर्फ आमदनी देखकर यह कहना कि दोनों बराबर हैं, गलत होगा, क्योंकि एक परिवार में उस राशि से एक व्यक्ति का खर्च चल रहा है, जबकि दूसरे में चार लोगों का। इसी तरह, देशों की तुलना करते समय भी केवल जीडीपी के आंकड़ों से निष्कर्ष निकालना ठीक नहीं है।

जापान और जर्मनी जैसे देशों की जीडीपी की तुलना भारत से करना उचित नहीं है, क्योंकि भारत की जनसंख्या कहीं ज्यादा है। अगर देश में आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं तो उम्मीद की जाती है कि इसका फायदा सभी वर्गों तक पहुंचेगा। लेकिन इसके दो अहम पहलू हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

पहला सवाल यह है कि आर्थिक गतिविधि किस सेक्टर में हो रही है? अगर निर्माण क्षेत्र (कंस्ट्रक्शन) में विकास हो रहा है, तो निर्माण मजदूरों तक इसका सीधा लाभ पहुंच सकता है। लेकिन अगर यह वृद्धि फाइनेंशियल सेक्टर में हो रही है, तो इसका लाभ सीमित लोगों तक ही रहेगा। और वो पहले से ही ठीक वर्ग के लोग हैं। यह समझना जरूरी है कि देश किन क्षेत्रों में निवेश और विकास पर जोर दे रहा है।

कौनसे सेक्टर तेजी से बढ़ रहे हैं और उनका बाकी अर्थव्यवस्था के साथ कितना गहरा जुड़ाव है। जब हम जीडीपी ग्रोथ रेट की बात करते हैं, तो हमें यह सेक्टर-वाइज देखना चाहिए- जैसे कृषि में कितनी वृद्धि हुई, मैन्युफैक्चरिंग में कितना विकास हुआ। इससे यह साफ होता है कि क्या यह आर्थिक प्रगति सभी तक समान रूप से पहुंच रही है या केवल कुछ सीमित क्षेत्रों में ही सिमट कर रह गई है। बेरोजगारी को लेकर हमारा मानना है कि देश में बेरोजगारी उतनी ज्यादा नहीं है।

समस्या यह है कि ज्यादातर युवाओं के लिए नौकरी का मतलब सिर्फ सरकारी नौकरी है। अगर नजरिया यही रहेगा, तो फिर नौकरियां सीमित होंगी और उतनी होनी भी नहीं चाहिए। अगर कोई युवक 20-25 साल की उम्र से लेकर 30-35 साल की उम्र तक सिर्फ सरकारी नौकरी की तैयारी करता रहे और फिर कहे कि वो बेरोजगार है, तो इसमें न आप कुछ कर सकते हैं, न मैं और न ही सरकार। फिर भी हर समस्या का समाधान आर्थिक विकास में ही है। अगर मैन्युफैक्चरिंग बढ़ेगी तो मजदूरों को रोजगार मिलेगा। सबसे जरूरी बात यह है कि कृषि से मैन्युफैक्चरिंग और फिर मैन्युफैक्चरिंग से सर्विस सेक्टर तक जो बदलाव होना है, वो भी इसी ग्रोथ से संभव होगा। इसके लिए और आधी मेहनत करनी होगी। भारत में आय में असमानता बढ़ी है, यह भी एक चुनौती है।

पाक भारत के दम को आजमाने की भूल न करें

ललित गर्ग

भारत ने पहलगाम के नृशंस एवं बर्बर आतंकी हमले का जिस पराक्रम एवं शौर्य से बदला लिया, लेकिन विडम्बना है कि उस एकदम स्पष्ट सन्देश से पाकिश्तान ने कोई सबक नहीं लिया, पाकिश्तान की ऐसे सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से भी अक्ल नहीं आयी।

पाकिश्तान ऐसे कुत्ते की दूम है, जिसे चाहे कितना ही तरोड़ों-मरोडो वह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहने वाली है। लेकिन इस बार भारत ने एक बड़ा सबक लिया है कि पाक के किसी भी झांसे एवं घड़ियाली आंसुओं में वह नहीं आयेगा।

इसीलिये भारत हर मोर्चे पर सतर्क एवं सावधान है। भारत ने गैर-सामरिक एवं सामरिक मोर्चे पर सर्तकता दिखाते हुए तमाम समीकरण ही नहीं बदले हैं बल्कि भारत की सुरक्षा एवं आतंकवाद के खिलाफ सख्ती को तीक्ष्ण धार दी है। अब कोई भी आतंकी हमला युद्ध की चुनौती के रूप में लिया जाएगा और उसकी कड़ी एवं विध्वंसक प्रतिक्रिया ही होगी।

भारत किसी परमाणु ब्लैकमेलिंग का शिकार नहीं होगा। आतंकियों और उनके समर्थकों में कोई भेद नहीं किया जाएगा। भारत आतंकवाद एवं कश्मीर के मामले में किसी भी महाशक्ति की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। भारत ने हाल की स्थितियों में जो भी निर्णय लिये स्व-विवेक से लिये, अमेरिका की इसमें कोई भूमिका नहीं रही। पाक भारत के दम को कमतर न आंके और उसे आजमाने की भूल न करें।

भारत के कतिपय राजनीतिक दल एवं कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब भारत विजयी स्थिति में आगे बढ़ रहा था तब उसने शांति की पहल क्यों स्वीकार की? भारत ने बड़ी जीत हासिल कर ली थी और उससे भी बड़ी जीत के लिये उसकी तैयारी थी तो संघर्ष विराम क्यों किया? इसका जवाब भारत के शीर्ष नेतृत्व ने एकदम सरल तरीके से दिया है कि भारत ने अपने सभी लक्ष्य हासिल किए। भारतीय सेना को छह-सात मई की रात पाकिश्तान के आतंकी अड्डों को नष्ट करने के बाद उसके प्रमुख एयरबेस इसलिए नष्ट करने पड़े, क्योंकि उसने

अपने यहां के आतंकी अड्डों को निशाना बनाए जाने से चिढ़कर भारत पर मिसाइल और ड्रोन दागने शुरू कर दिए थे। लाहौर और सियालकोट के एयर डिफेंस ध्वशत कर दिए गए। 11 पाकिश्तानी एयरफील्ड बुरी तरह क्षतिग्रश्त हुए।

इनमें रावलपिंडी स्थित सामरिक महत्व वाला नूर खान बेस, सरगोधा में मुशाफ बेस और जैकबाबाद में शाहबाज बेस प्रमुख हैं। चूंकि भारतीय सेना की अभूतपूर्व जवाबी कार्रवाई से पाकिश्तान बुरी तरह पशत पड़ गया, इसलिए उसने सैन्य कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई-भारत से भी और अमेरिका से भी। लेकिन यह स्पष्ट है कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई रोकने में कोई भूमिका नहीं थी।

भारत आपरेशन सिंदूर इस शर्त पर स्थगित करने को तैयार हुआ कि इसके आगे की कार्रवाई में पाक की जनता को ही अधिक नुकसान एवं परेशानी झेलनी थी। भारत ऐसा नहीं चाहता था कि पाक आकाओं की नासमझी का शिकार आम-जनता हो। भारत ने आतंकी ढांचे को ध्वशत कर दिया और जब पाकिश्तान ने भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया तब भी भारतीय प्रतिक्रिया संयमित एवं उचित दायरे में रही। पाक दुष्प्रचार की पोल खोलने के लिए खुद प्रधानमंत्री आदमपुर एयरबेस गए। वह जिस सी-130जे सुपर हरक्युलिस से उतरे वही पाक के दावों को झुठलाने के लिए बहुत था। पाक के झूठे दावे अनेक बार तार-तार हुए है। अब भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्प व्यक्त किया है कि आतंकियों और उनके आकाओं की कोई भी हरकत के परिणाम उनकी कल्पनाओं से भी परे होंगे। भारत कभी झूकेगा नहीं, युद्ध जैसी स्थितियां अश्तित्व बचाने के लिये ही है, किसी पर आधिपत्य करने के लिये नहीं।

भारत- पाक के बीच सैन्य टकराव रुक जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह श्रेय लेने में देर नहीं लगाई कि उनके हश्तक्षेप के कारण दोनों देश हमले रोकने को राजी हुए। यह दावा झूठा ही नहीं, बल्कि बेबुनियाद था। ट्रंप ने इसे संघर्ष विराम की संज्ञा देते हुए कहा कि मैंने व्यापार का हवाला देकर दोनों देशों की लड़ाई रोकी।

इस पर भारत ने साफ कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति से व्यापार को लेकर कोई बात नहीं हुई। ट्रंप का दावा उस समय थोथा भी साबित हो गया, जब अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने उनकी इस दलील को ठुकरा दिया कि उन्होंने ट्रेड की बात करके ही भारत और पाक के बीच सैन्य टकराव थामा। न्यूयार्क स्थित इस संघीय अदालत ने उनकी टैरिफ नीति को भी अवैध बता दिया। इससे सिद्ध हो गया कि ट्रंप जो कुछ कह रहे, वह सही नहीं, राजनीतिक महत्वाकांक्षा का बेहूदा प्रदर्शन है। भारत अभी भी पाक लिये सख्त बना हुआ है, क्योंकि उसकी भूलें अक्षम्य है।

भारत की पाक के खिलाफ सख्त कार्रवाइयों में मुख्य हैं सबसे प्रमुख सिंधु जल समझौते को स्थगित करना, चूंकि पाक सिंचाई संबंधी आवश्यकता के लिए एक बड़ी हद तक सिंधु और उसकी सहायक नदियों के पानी पर निर्भर है, इसलिए भारत के फैसले से उसे बड़ा झटका लगना स्वाभाविक है। पाक की कृषि एवं खाद्य सुरक्षा के लिए इस फैसले के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इसके साथ ही भारत ने पाक के साथ तमाम व्यापारिक रिश्ते

समाप्त कर दिये हैं। जिससे पाक की अर्थ-व्यवस्था प्रभावित हो रही है। भारत की ऐसी जवाबी कार्रवाइयों से पाकिश्तान में खलबली मची हुई है। लेकिन इन सबके बावजूद पाक सुधरने को तैयार नहीं है। पाक की दुनियाभर में तीव्र भर्त्सना और निन्दा हो रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में पाकिश्तान के पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले रेजिस्टेंस फोर्स की लानत-मलानत ही हुई, पाक की किसी भी बात को तवज्जो नहीं दी गयी, बल्कि उसे फटकार लगी। पाक का टूटना बिखरना खयाली पुलाव नहीं, बल्कि यह उसके आतंकी षडयंत्रों की नियति है।

पहलगाम की घटना स्पष्ट रूप से यह एक सोची-समझी आतंकी साजिश थी। इसका मकसद सांप्रदायिक तनाव को भड़काना और कश्मीर में फल-फूल रहे पर्यटन को नुकसान पहुंचाना था। वहां शांतिपूर्ण चुनाव होने एवं चुनी हुई सरकार का सफलतापूर्वक चलना भी पाक के लिये नागवार गुजर रहा था। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अथक प्रयासों से आ रही शांति एवं समृद्धि के दम पर हालात सामान्य होते जा रहे थे।

उसे पाक आका एवं आतंकी छिन्न-भिन्न करना चाहते थे। पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 25 मई को स्काई न्यूज पर साक्षात्कार में आतंकी ढांचे से जुड़े सवाल के जवाब में कहा, 'हम तीन दशकों से आतंक को पालना-पोसने का गंदा काम अमेरिका और ब्रिटेन के लिए करते आए हैं।' पाकिश्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भी आतंकी ढांचे के अशितत्व को स्वीकार करते हुए कहा कि पाकिश्तान का एक अतीत रहा है। जबकि वाश्तविकता यही है कि आतंक पाक का अतीत ही नहीं, बल्कि वर्तमान भी है। यह उसकी मौजूदा नीति है, इसी के तहत पाक समय-समय पर भारत की शांति को क्षत-विक्षत करने की कुचेष्ठा करता रहा है।

अपनी कार्रवाई में भारत ने नागरिक या सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, लेकिन आतंकी ढांचे पर सटीक एवं प्रभावी प्रहार किया। अपनी विश्वसनीयता के लिए भारत ने साक्ष्य भी प्रश्तुत किए कि यह कोई खुफिया अभियान न होकर एकदम खुली चेतावनी थी। भारत अब भी अपनी बात पर कायम है कि अगर पाक शांति चाहता है, पडोसी धर्म को निभाना चाहता है तो पहले उसे अपने यहां आतंकी ढांचा समाप्त करना होगा।

आतंक के साथ न वार्ता हो सकती है और न व्यापार। पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकते। भारत का रुख एकदम स्पष्ट है और अब पाक को तय करना है कि वह क्या चाहता है। भारत पाक और चीन की कुचालों को समझता है, इसीलिये रक्षा परियोजनाओं में देरी पर भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह की चिंता और सवाल वाजिब हैं। दोतरफा मोर्चे पर जूझ रही सेना के आधुनिकीकरण में तेजी लाने की भी जरूरत है।

इसके लिए केवल विदेशी सौदों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, मेक इन इंडिया प्रॉजेक्ट के तहत भी उत्पादन बढ़ाना होगा।

इन्हीं जरूरतों को देखते हुए भारत अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में जुटा है। लेकिन भारत युद्ध नहीं चाहता, शांति एवं अमन ही उसका लक्ष्य है। भारत ने वैसे भी 'नो फर्स्ट यूज' की नीति अपना रखी है यानी देश परमाणु हथियारों का पहले इश्तेमाल नहीं करेगा।

किसी ऐसे मुल्क के खिलाफ भी भारत एटमी वेपन नहीं निकालेगा, जिसके पास परमाणु हथियार नहीं हैं। भारत ने यह ताकत हासिल की है सुरक्षा के लिए, आक्रामकता दिखाने और आक्रमण के लिए नहीं।

जानिए योगी की लोकप्रियता का रहस्य

प्रो.पूनम कुमारी सिंह

देश के किसी भी कोने में चुनाव हो, वहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद जिस राजनेता की सबसे ज्यादा डिमांड होती है, वह हैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। क्या है योगी के व्यक्तित्व में जो उन्हें जनता के बीच इतना लोकप्रिय बनता है?

आइए 05 जून को उनके जन्मदिन के अवसर पर उनकी लोकप्रियता को डिकोड करने की कोशिश करते हैं। सबसे पहले तो आकर्षण का केंद्र है-उनकी वेशभूषा और योगी जीवन। आमतौर पर योगी नाम लेते ही लोगों के मन में समाज से विरत एकांतवासी व्यक्ति की छवि सामने आती है, लेकिन योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए रात दिन काम करने वाले व्यक्ति हैं, विरागी हैं लेकिन उत्तर प्रदेश और देश की जनता उनके प्राणों में बसती है।

अपरिग्रही हैं लेकिन उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए अहर्निश प्रयासरत हैं -इन सब ने मिलकर योगी की छवि को लोगों में अत्यंत लोकप्रिय बना दिया है।

वैसे देखा जाए तो लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण देश के राज्यों में उत्तर प्रदेश का हर मापदंड पर त्वरित गति से विकास है, इसीलिए आज उत्तर प्रदेश मॉडल की बात की जा रही है। यह अचानक या अनायास नहीं हो गया है। योगी ने उत्तर प्रदेश को आशीष बोष द्वारा अस्सी के दशक में दिए गए बीमारू राज्य की श्रेणी जो कमोबेश 2017 मार्च तक विद्यमान रही, से बाहर निकाल भारत के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में ला दिया है। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के विकास मॉडल की प्रशंसा करते हुए कहा, यदि भारत दुनिया में चमक बिखेर रहा है, तो उसमें उत्तर प्रदेश की अग्रणी भूमिका है। आज उत्तर प्रदेश सुशासन, शांति, कानून व्यवस्था और स्थिरता के लिए जाना जाता है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए यूपी ने इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ अपनी 'सोच और एप्रोच' में भी बदलाव किया है।

सच पूछा जाए तो योगी ने भी उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ा है। विकास के हर पैमाने पर- चाहे वह सकल राज्य घरेलू उत्पाद हो या निवेश, आधारभूत संरचना हो या कानून और व्यवस्था, गरीब कल्याण हो या चिकत्सीय सुविधाएं, महिला सशक्तिकरण हो या कृषि और किसानों की स्थित में सुधार-अप्रत्याशित प्रगति दिखाई दे रही है। यदि रोजगार से शुरुआत करें तो आज उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 96 लाख एमएसएमई संचालित हो रहे हैं। युवाओं को रोजगार प्रदान करने में इनकी बड़ी भूमिका है। 2016-17 में उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी की दर 19 प्रतिशत थी जो अब घट कर 3 प्रतिशत रह गई है। पहले उत्तर प्रदेश से युवाओं का पलायन चरम पर था। आज जीवनयापन हेतु उन्हें प्रदेश में ही योग्तानुरूप रोजगार मिल रहा है। पिछले आठ वर्षों में 6 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। अगले एक वर्ष में उत्तर प्रदेश को जीरो पॉवरटी स्टेट बनाने के लिए योजनानुसार हर कदम उठाए जा रहे हैं।

वैसे तो अभी भी अपने देश में व्यापार अथवा निवेश के नियम बहुत दुरूह हैं। 2014 के बाद से मोदी के नेतृत्व में इसे काफी लचीला बनाया गया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में 2016-17 में उत्तर प्रदेश जहां 12वें स्थान पर था, आज वह दूसरे स्थान पर है। सकल राज्य घरेलू उत्पाद की दृष्टि से महाराष्ट्र के बाद उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर है। एशिया का सबसे बड़ा एअरपोर्ट जेवर में बन रहा है। 2017 में जहां उत्तर प्रदेश में मात्र चार एअरपोर्ट थे ,उनकी संख्या आज बढ़ कर 16 हो गई है। उत्तर प्रदेश का कोई भी जिला ऐसा नहीं जो एक्सप्रेस-वे से जुड़ा न हो। देश की पहली रैपिड रेल दिल्ली से मेरठ के बीच है। अच्छी सड़कों और बेहतरीन इन्फ्रॉस्ट्रक्चर के लिए उत्तर प्रदेश देश में एक मिसाल बन गया है।

आज दुनिया की हर शीर्ष कम्पनी उत्तर प्रदेश में निवेश करना चाहती है। योगी सरकार ने प्रदेश में छुपे पर्यटन की तमाम सम्भावनाओं को साकार कर उत्तर प्रदेश को धार्मिक पर्यटन का एपी सेंटर बना दिया है। काशी कारीडोर, बौद्ध सर्किट, वाराणसी, चित्रकूट, लखनऊ,विन्ध्याचल, प्रयागराज, नैमिषारण्य, गोरखपुर, मथुरा, बटेश्वर धाम, गढ़मुक्तेश्वर, शुकतीर्थ धाम,मां शाकुम्भरी देवी, सारनाथ एवं अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों का विकास एवं सौन्दर्यकरण न केवल एक नए उत्तर प्रदेश से हमारा परिचय कराता है बल्कि यह राज्य राजस्व का प्रमुख स्रोत भी बन गया है। महाकुंभ के सफल आयोजन और विश्व के कोने-कोने से लगभग 67 करोड़ श्रद्धालुओं के सक्रिय भागीदारी ने आर्थिक विशेषज्ञों को धार्मिक पर्यटन और आर्थिकी के अन्तर्सम्बन्धों पर पुनर्विचार के लिए विवश कर दिया है।

उत्तर प्रदेश को देश का नंबर एक राज्य बनाने की दिशा में योगी की विकास की तमाम नीतियां उनके व्यक्तित्व का एक और ध्यानाकर्षक पहलू हैं, जिस पर बात किए बिना योगी की लोकप्रियता की चर्चा अधूरी होगी। 2017 में उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने से पहले योगी आदित्यनाथ 1998 से लेकर 2017 तक पांच बार गोरखपुर से सांसद चुने गए।

ध्यान देने की बात है कि प्रत्येक बार उनके जीत का अंतर बढ़ता ही गया। सांसद रहते हुए उन्होंने गोरखनाथ पीठ की परम्परा के अनुसार पूर्वी उत्तर प्रदेश में व्यापक जनजागरण का अभियान चलाया। सहभोज के माध्यम से छुआछूत और अस्पृश्यता की भेदभावकारी रूढ़ियों पर जमकर प्रहार किया। जबरन धर्मांतरण कराए गए हजारों मतान्तरित हिन्दुओं की उन्होंने ससम्मान घर वापसी कराई तथा गोसेवा के लिए आम जनमानस को जागरूक करके गोवंशों का संरक्षण एवं सम्वर्धन करवाया।

पूर्वी उत्तर प्रदेश में सक्रिय समाज विरोधी एवं राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के खिलाफ वे सड़क से संसद तक जूझते रहे। इसके लिए उन्हें जेल भी जाना पड़ा पर वह पीछे नहीं हटे। इनके द्वारा 2002 में स्थापित हिन्दू युवा वाहिनी से जुड़ कर लाखों युवाओं ने हिन्दू पुनर्जागरण अभियान में अपना सक्रिय योगदान दिया।

बहुआयामी प्रतिभा के धनी आदित्यनाथ, धर्म के साथ-साथ सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्र की सेवा में अनवरत लगे रहे। इन गतिविधियों से हिन्दुत्व के फायरब्रांड के रूप में उनकी पहचान बनती चली गई। सांसद के रूप में पूर्वी उत्तर प्रदेश में अपनी साख़ का लोहा मनवा चुके आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बनने से पहले ही देशभर में जाने जाने लगे थे। 2017 में भी मुख्यमंत्री बनने के पश्चात योगी ने स्पष्ट कहा कि 'सबका साथ सबका विकास पर तुष्टीकरण किसी का नहीं'।

उत्तर प्रदेश की पूर्व सरकारों से अलग योगी ने तुष्टीकरण की बजाए विकास की राजनीति को तरजीह दी।

योगी के नीतियों और कार्यशैली की असल अग्निपरीक्षा 2022 के विधानसभा चुनाव में हुई क्योंकि पिछले 35 सालो के दरम्यान उत्तर प्रदेश में कभी ऐसा नहीं हुआ कि किसी दल ने लगातार सत्ता में दुबारा वापसी की हो। लेकिन उत्तर प्रदेश की जनता ने जातीय और तुष्टीकरण की राजनीति को ठुकरा कर योगी के विकास मॉडल को अपनाया और योगी को पुनः मुख्यमंत्री के पद पर आसीन किया।

आज योगी आदित्यनाथ महज एक मुख्यमंत्री का नहीं बल्कि एक ब्रांड का नाम बन चुका है। ब्रांड-हिन्दू होने पर गर्व का, विश्वसनीयता का, अनुशासन का, कथनी और करनी में एका का,कानून व्यवस्था को सुचारू रूप से लागू करने का, देशी-विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने का और उत्तर प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अहर्निश काम करने का।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा

फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

गंगा एक्सप्रेसवेः मेरठ समेत कुल 91 फीसदी निर्माण पूरा, बदायूं तक जुलाई में सेक्शन पूरा करने का लक्ष्य

मेरठ , एजेंसी। गंगा एक्सप्रेसवे का मेरठ सेक्शन बनकर तैयार हो गया है। हापुड़ रोड पर बिजौली से शुरू हो रहे मेरठ से प्रयागराज तक जाने वाले गंगा एक्सप्रेसवे का मेरठ में 22 किमी. का दायरा है। इस पर सौ फीसदी काम पूरा हो गया है और बिजौली में तैयार इंटरचेंज अब लाइटों से जगमगाने भी लगा है। बारह चरणों में बन रहे एक्सप्रेसवे का कुल 91 फीसदी काम पूरा हो गया है। बदायूं तक का सेक्शन जुलाई में तैयार होने का लक्ष्य है।

प्रदेश सरकार ने फरवरी में बजट के दौरान गंगा एक्सप्रेसवे को हरिद्वार से जोड़ने की घोषणा करते हुए 50 करोड़ का बजट भी इसके लिए आवंटित किया गया। हरिद्वार से प्रयागराज तक गंगा एक्सप्रेसवे के जुड़ने से पूरब से पश्चिम तक सभ्यता और संस्कृति एक सूत्र में बंध जाएंगे।

अभी इसका अलाइनमेंट तय होना है। वहीं, 27 अप्रैल को गढ़मुक्तेश्वर में एक्सप्रेसवे पर बने हैलीपेड पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निरीक्षण किया था और काम को गुणवत्तापरक करने के निर्देश दिए थे। इसी के साथ काम लगातार तेजी के साथ किया जा रहा था।

गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण 12 चरणों में ही किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट पर 36,400 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। अभी यह छह लेन का एक्सप्रेसवे है लेकिन बाद में इसे आठ लेन तक चौड़ा किया जा सकेगा। 594 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे 12 जिलों के 518 गांवों से होकर गुजरेगा।

मेरठ में इसकी लंबाई 15 किमी. है, जिसमें 43 स्ट्रक्चर तैयार करने का दावा है। मेरठ-बुलंदशहर हाईवे पर बिजौली गांव से शुरू होकर गंगा एक्सप्रेसवे प्रयागराज में एनएच 19 पर जुदापुर दादू गांव के पास तक होगा। गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ के बाद ये हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ से होता हुआ प्रयागराज पर खत्म होगा।

आईआरबी के परियोजना निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि मेरठ में गंगा एक्सप्रेस-वे का 22 किमी. का हिस्सा आता है, जिस पर काम पूरा हो गया है। पूरे प्रोजेक्ट पर 91 फीसदी के करीब काम पूरा हो गया है।

उन्होंने बताया कि यह बहुत बड़ा प्रोजेक्ट है, ऐसे में किसी भी चीज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मानकों का पूरा ध्यान रखते हुए गुणवत्तापरक काम किया जा रहा है। बदायूं तक के सेक्शन को जुलाई तक पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि हरिद्वार के लिए अभी अलाइनमेंट तय होना है, इसके बाद इस पर काम शुरू होगा।

एक्सप्रेसवे पर फाइटर प्लेन भी उतर चुके

गंगा एक्सप्रेसवे को इस तरह से बनाया गया है कि इस पर न केवल गाडियां दौडेंगी, बल्कि आपात स्थिति में बड़े फाइटर प्लेन और हेलीकॉप्टर भी उतर सकें। हाल ही में फाइटर प्लेन भी इस पर उतर चुके हैं। शाहजहांपुर में 3.50 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी बनाई जा रही है।

इसके अलावा गंगा और रामगंगा नदियों पर दो बड़े पुलों का निर्माण भी अंतिम चरण में है। गंगा एक्सप्रेसवे लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और बलिया लिंक एक्सप्रेसवे के जरिए राज्य के अन्य एक्सप्रेसवे को भी जोड़ेगा।

देश का तीसरा सबसे लंबा एक्सप्रेसवे

गंगा एक्सप्रेसवे लंबाई के मामले में भारत का तीसरा सबसे लंबा एक्सप्रेसवे बनने वाला है। अभी जो सबसे लंबा एक्सप्रेसवे बन रहा है वो दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे है, जो 1,350 किलोमीटर से भी ज्यादा लंबा है। दूसरा सबसे लंबा मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे है जो 700 किलोमीटर से थोड़ा ज्यादा लंबा है। निर्माणदायी संस्था आईआरबी के मुख्य महाप्रबंधक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि खरखौदा क्षेत्र के गांव खड़खड़ी के जंगल में 16 लेन के टोल प्लाजा का निर्माण पूरा हो गया है। इस ग्रीनफील्ड परियोजना को समय रहते ही पूरा कर लिया जाएगा। मेरठ सेक्शन पर सौ फीसदी और हापुड़ में 90 फीसदी तक काम पूरा हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

घर में घुस कर किशोरी को किया लहूलुहान

अलीगढ़ , एजेंसी। थाना लोधा क्षेत्र के एक गांव में एक किशोरी को घर में नशीला पदार्थ सुंघाकर पीटा दिया। ब्लेड से उसके हाथों को कई जगह काटा गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। किशोरी के पिता ने पुलिस को बताया कि वह पत्नी के साथ चारा लेने गए थे। मंगलवार दोपहर तीन युवक घर के अंदर घुस आए और किशोरी को दबोच कर उसे नशीला पदार्थ सुंघा दिया।

उसके पैर बांध दिए। ब्लेड से उसके हाथ जगह-जगह काट दिए। पिता ने पुलिस कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी। लोधा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। किशोरी को जिला अस्पताल भेजा गया। डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत देखते हुए उसे जेएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां उसका उपचार चल रहा है। पीड़ित के परिजनों ने गांव के ही तीन युवकों पर इस घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया है। सीओ गभाना संदीप तोमर ने बताया कि घटना संदिग्ध है, इसकी जांच की जा रही है।

भवीगढ़ में फैला बुखार-डायरिया, सौ पीड़ित

अलीगढ़ , एजेंसी। गांव भवीगढ़ में बुखार और डायरिया फैल गया है। सौ से अधिक ग्रामीण इससे पीड़ित हैं। पंद्रह को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अतरौली में भर्ती कराया गया है।

ग्रामीणों की सूचना पर मंगलवार को जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. गिर्राज किशोर की अगुवाई में स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची। टीम ने गांव में घरों में पहुंचकर मरीजों का हाल जाना। इसके बाद शिविर लगाकर मरीजों को देखा साथ ही दवाएं दीं। इसके साथ ही ग्रामीणों को घरों एवं आसपास सफाई रखने के निर्देश दिए।

गांव भवीगढ़ निवासी जयेश शर्मा ने बताया कि सोमवार से गांव में बुखार और डायरिया फैला है। गांव निवासी किरन, शमरीन, अरशद, नगमा, लौंगश्री, सीमा, डेविड, वर्षा, रेशमा का अतरौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराकर परिजन इलाज करवा रहे हैं। इनके अलावा अन्य पीड़ित गांव के आसपास अप्रशिक्षित डॉक्टरों के यहां से इलाज करवा रहे हैं।

गांव की आबादी करीब तीन हजार है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. गिर्राज किशोर के अनुसार गांव की गलियों में जगह-जगह जलभराव और कीचड़ है, जिसकी वजह से लोग संक्रामक बीमारी की चपेट में आए हैं। ग्राम प्रधान से गलियों में भरे पानी को निकलवाने और गंदगी साफ कराने के लिए कहा गया है। वहीं ग्राम प्रधान राजू का कहना है कि गांव में कहीं-कहीं पर कीचड़ और जलभराव है। इसे जल्द ही दूर कराया जाएगा।

कैट का आदेश : 30 जून या 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दिया जाए नोशनल इंक्रीमेंट

प्रयागराज , एजेंसी। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) ने 30 जून या 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को एक काल्पनिक वेतन वृद्धि (नोशनल इंक्रीमेंट) देने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति रजनीश कुमार राय की एकल पीठ ने चंदौली के राकेश कुमार तिवारी व अन्य की ओर से दायर अर्जी पर दिया है।

चंदौली निवासी राकेश कुमार और अन्य पूर्वी मध्य रेलवे, दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के कर्मचारी थे। ये सभी 30 जून या 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हुए। इसके चलते एक जुलाई या एक जनवरी को मिलने वाले वार्षिक वेतन वृद्धि से इन्हें वंचित कर दिया गया। इसके खिलाफ इन्होंने कैट में आवेदन दायर कर नोशनल इंकीमेंटी की मांग की।

अधिवक्ता ने दलील दी कि चार कर्मचारी 30 जून व एक 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हुआ था। इसके ठीक दूसरे दिन मिलने वाले वार्षिक वेतन वृद्धि के लाभ से इन्हें वंचित कर दिया गया है, जो सुप्रीम कोर्ट की ओर से स्थापित विधि व्यवस्था के खिलाफ है। कैट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी माना है कि कर्मचारी जब सालभर काम करता है तो उसे वार्षिक वेतन वृद्धि मिलती है।

लखनऊ-मुंबई के बीच दौड़ेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन, बरेली में होगा ठहराव

बरेली , एजेंसी। रेलवे वर्ष 2025-26 में देशभर में 10 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का संचालन शुरू करेगा। पिछले साल बरेली-मुंबई के बीच वंदे भारत स्लीपर के संचालन को हरी झंडी मिलने के बाद रूट सर्वे भी हो चुका है। इस ट्रेन की समय सारिणी जारी होने का इंतजार है। रेलवे अब लखनऊ-मुंबई के बीच बरेली होते हुए वंदे भारत स्लीपर के संचालन की कवायद में जुट गया है। इस रूट पर भी सर्वे पूरा कर लिया गया है। दोनों ट्रेनों की समय सारिणी जून के अंत तक जारी होने की उम्मीद है।

लखनऊ-मुंबई के बीच ज्यादा स्टेशन हैं और यात्री भी ज्यादा मिलेंगे। अधिकारियों का कहना है कि उत्तर रेलवे के दिल्ली कोचिंग यार्ड में वंदे भारत स्लीपर का एक और रैक जून के दूसरे सप्ताह तक पहुंच जाएगा। रेलवे बोर्ड की हरी झंडी मिलने के बाद ट्रेन की समय सारिणी जारी कर दी जाएगी।

उत्तर रेलवे को अप्रैल में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की पहली रैक मिल चुकी है। 16 कोच की इस रैक में एसी 3-टियर, एसी 2-टियर, एसी प्रथम श्रेणी के कोचों में 823 यात्री सफर कर सकेंगे। वंदे भारत स्लीपर का संचालन शुरू होने के बाद सफर आरामदायक होगा और कन्फर्म टिकट के लिए मारामारी भी कम होगी। सप्ताह में एक दिन चलने वाली लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस पर यात्रियों का दबाव भी कम होगा। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि बरेली-मुंबई वंदे भारत स्लीपर का संचालन प्रस्तावित है। रूट सर्वे कर लिया गया है। रेलवे बोर्ड की स्वीकृति के बाद समय सारिणी जारी कर दी जाएगी। उत्तर रेलवे को वंदे भारत स्लीपर की एक रैक पहले ही मिल चुकी है।

तीन दशकों के बाद लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में मई का मौसम रहा ठंडा, चक्रवात की वजह से औसत से नीचे गया पारा

लखनऊ , एजेंसी। मई के बाद अब तपिश वाले महीने जून के भी तीन दिन गुजर गए हैं लेकिन राजधानी में मौसम ठंडा और सुहाना है। ना चिलचिलाती धूप, ना ही लू के थपेड़े। झुलसाती धूप भरा नौतपा इस बार नरमी भरा रहा। मानसून से पहले अप्रत्याशित बूंदाबांदी की लंबी अवधि, बादल और ठंडी हवाओं ने लोगों को चौंका दिया है। मंगलवार को भी सुबह बारिश और दिन भर बादलों की मौजूदगी से मौसम सुहाना रहा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अप्रैल के आखिरी सप्ताह से लगातार सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ, अरब सागर में बने कम दबाव क्षेत्र, नमीयुक्त पूर्वा हवाओं के असर से रुक-रुक कर बूंदाबांदी और बादलों की मौजूदगी इस बदलाव की मुख्य वजह है।

राजधानी के वरिष्ठ पर्यावरण विशेषज्ञ संजय मोहन के मुताबिक लखनऊ के तापमान में ऐसी सिलसिलेवार उठा-पटक तीन दशकों में पहली बार देखने को मिला है। अप्रैल के आखिर में पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजधानी में आए मौसम में बदलाव, छिटपुट बूंदाबांदी और तापमान में उतार-चढ़ाव का सिलसिला बीते 27 अप्रैल से तीन जून यानी 38 दिनों से जारी है। इन 38 दिनों के बीच यहां पारे में उतार-चढ़ाव और मौसम सुहाना व नरमी भरा रहा। बूंदाबांदी और पूर्वा हवाओं के असर से मई में कई दिन तो मॉनसून के दिनों जितने ठंडे रहे। ऐसे दिनों की संख्या ज्यादा रही, जब अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम रहा। हालांकि बीच-बीच में नमी भरी पुरवाई उमस का भी एहसास कराती रही। जलवायु परिवर्तन का असर अब मौसम पर साफ नजर आने लगा है।

मंगलवार यानी 3 जून को लखनऊ का अधिकतम तापमान 35.3 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से 4.9 डिग्री नीचे रहा। मई से लेकर तीन जून के बीच लखनऊ में कई दिन पारा सामान्य से नीचे रहा। मौसम विभाग से मिले पिछले तीस साल के आंकड़ों के मुताबिक पिछले तीस वर्षों में ऐसा कभी नहीं हुआ कि झुलसाती गर्मी और तपिश वाले महीने मई से लेकर तीन जून तक यानी लगातार 38 दिनों के बीच ज्यादातर दिनों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रहा हो।

इस अप्रत्याशित मौसमी बदलाव पर आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र अमौसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने 27 अप्रैल से यूपी में लगातार सक्रिय विक्षोभों की झड़ी, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के ऊपर लो प्रेशर बनना, नमीयुक्त पूर्वा हवाओं की वजह से लखनऊ के पारे में लगातार गिरावट आई और मौसम सुहाना रहा। बूंदाबांदी थमने के बाद 5 जून से तापमान का चढ़ना शुरू होगा। मंगलवार को दिन का अधिकतम तापमान 35.3 डिग्री दर्ज हुआ जो सामान्य से 4.9 डिग्री नीचे रहा। रात का पारा 27 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।

एक माह में 12 भैंसें चोरी, घेरी कोतवाली

रायबरेली, एजेंसी। भैंस चोरी के बढ़ते मामलों से परेशान ग्रामीण मंगलवार को भड़क गए। करीब 18 लोग कोतवाली पहुंचे और घेराव कर पुलिस पर मनमानी का आरोप लगाया। बताया कि नामजद तहरीर देने के बाद भी अज्ञात में केस दर्ज किया गया है। जांच नहीं की जा रही है। देवन्ना मजरे तेरुखा गांव निवासी राम सहाय की लगभग 80 हजार रुपये कीमत की एक भैंस सोमवार रात चोरी हो गई। आरोप है कि गांव के ही एक मामा व भांजे ने मिलकर घटना को अंजाम दिया है। आरोपी आए दिन गांव की महिलाओं के साथ अभद्रता करते हैं। जिसकी कई बार शिकायत भी हुई, लेकिन पुलिस लगातार आरोपी को बचाने में लगी हुई है।

ग्रामीणों का कहना है कि बीते एक माह में करीब 10 लाख कीमत की 12 भैंसें चोरी हो चुकी हैं। इनमें तेरुखा गांव के समीप ही पूरे गुम्दा निवासी रविंद्र सिंह की तीन भैंस, देवन्ना निवासी लाला सिंह देशराज व राम प्रताप की एक-एक भैंस चोरी होई हैं। पूरे चंदी निवासी वीरेंद्र बहादुर की एक भैंस समेत 12 भैंसें चोरी हुई हैं। पुलिस की कार्यशैली से नाराज ग्रामीणों ने मंगलवार को कोतवाली का घेराव किया और आरोपी पर कार्रवाई की मांग की। प्रभारी निरीक्षक श्याम कुमार पाल ने बताया कि एक भैंस के चोरी का मामला जानकारी में है। जिसमें केस दर्ज किया गया है। जांच की जा रही है।

पापी मामा की दरिंदगी...भांजी के साथ घिनौना काम, फिर दोस्त ने भी नोंचा जिस्म; हैवानियत की हदें कर दी पार

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना बमरौली कटारा क्षेत्र में मामा व भांजी का रिश्ता एक बार फिर कलंकित होने की घटना सामने आया है। मामा ने अपने दोस्त के साथ मिलकर अपनी भांजी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है।

विगत सोमवार को पीड़ित ने थाना बमरौली कटारा में तहरीर देकर पुलिस को बताया कि उसकी पुत्री विगत 31 मई अपने मामा और मामी के साथ पार्लर पर काम सीखने गई थी। शाम को तीन बजे मामा और दोस्त योगेश निवासी शडामई थाना मटसैना जिला फिरोजाबाद के साथ मिलकर उसकी पुत्री के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया है। जब घटना के बारे में पुत्री ने अपनी मामी को बताया कि तो मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई।

पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। थानाध्यक्ष बमरौली कटारा ने बताया कि मंगलवार को पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। सूचना पर अभियुक्त व उसके दोस्त योगेश को आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे विझामई अंडर पास पुल के ऊपर से गिरफ्तार कर दोनों को जेल भेज दिया गया है।

यमुना के गहरे पानी में फंस गई छह किशोरियां, तड़पती रहीं...जिस तरह गई जान, कांप जाएगा कलेजा

आगरा , एजेंसी। आगरा में थाना सिकंदरा क्षेत्र के गांव नगला नाथू में यमुना में डूबकर तीन सगी बहनों सहित छह किशोरियों की मौत हो गई। तीन सगी बहनें अपनी हमउम्र मौसी, मौसेरी बहन और चचेरे भाई-बहनों के साथ नहाने गई थीं। इस हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। ये किशोरियां यमुना में मौत के गड्ढों में फंस गई, जिसकी वजह से जान चली गई।

शहर से लेकर देहात तक यमुना में खनन की वजह से बने गड्ढे लोगों की जान ले रहे हैं। इसके बावजूद अफसर खानापूर्ति ही कर रहे हैं। यमुना के घाटों से लेकर आबादी के बीच से जाने वाले यमुना के किनारों पर जानकारी वाले बोर्ड नहीं लगाए जा रहे हैं। लोगों के नहाने वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग तक नहीं की जाती है।

नगला नाथू निवासी सुरेशचंद्र की तीन बेटियां मुस्कान (18), दिव्या (15), संध्या उर्फ कंचन (12), चचेरे बहन नैना (14) पुत्री दिनेश और

चचेरे भाई दीपेश (14) पुत्र राजकपूर गांव के पास ही यमुना में नहाने गई थीं। नगला रामबल, जलेसर रोड के अशोक कुमार की बेटी शिवानी (17), टेढ़ी बगिया के अशोक की बेटी सोनम (12) भी अपने मौसा सुरेशचंद्र के घर आई हुई थीं। ये छह किशोरियां यमुना के मौत के गड्ढे में फंस गईं और जान चली गई। छह किशोरियों की मौत से गांव में हाहाकार मच गया।

यहां होतीं हैं सबसे अधिक डूबने की घटनाएं

सिकंदरा में कैलाश घाट, रुनकता में शनिदेव मंदिर घाट, ककरैठा और बाईंपुर में लोग नहाने के लिए जाते हैं। इनके अलावा ट्रांस यमुना के शोभा नगर, एत्माद्दौला के नगला बिहारी, प्रकाश नगर, रामबाग पार्क, स्ट्रैची ब्रिज, चीनी का रोजा, 11 सीढ़ी और खंदौली क्षेत्र के पोइया घाट, बल्केश्वर, यमुना किनारा आदि पर अक्सर लोग जाते हैं। इनमें से सिकंदरा, ट्रांस यमुना और एत्माद्दौला क्षेत्र में डूबने की घटनाएं सबसे अधिक सामने आती हैं।

इन स्थानों पर गहरी है यमुना

इन स्थानों पर यमुना अधिक गहरी है। सिकंदरा के नगला नाथु में हादसे के बाद लोगों ने आरोप लगाया कि यमुना खनन की वजह से कई जगह पर गड्ढे हैं। इसमें नहाने जाने वाले लोगों को अंदाजा नहीं रहता है। जिससे हादसे हो जाते हैं। अधिकारी भी विशेष आयोजनों पर ही घाटों पर रस्सी और बल्ली लगाकर सुरक्षा के इंतजाम करते हैं। गांवों के बीच से निकलने वाली यमुना की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।

कैडेटों ने आग बुझाने के तरीके सीखे

रायबरेली , एजेंसी। एनसीसी की ओर से पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय में आयोजित 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में पांचवें दिन मंगलवार को आपदा प्रबंधन एवं अग्निशमन विषय पर प्रशिक्षण दिया गया।

अग्निशमन अधिकारी मनीराम सरोज के नेतृत्व में लीडिंग फायरमैन गोपीचंद्र मिश्र, फायरमैन जगलाल निर्मल, फायरमैन वीर सिंह ने आग लगने पर बचाव की जानकारी दी। कैंप कमांडेंट कर्नल विक्रमादित्य सिंह पाल ने बताया कि आपदा दो प्रकार की होती हैं। पहली प्राकृतिक व दूसरी मानव निर्मित आपदा होती है। आपदा आने पर किस तरह के उपाय किए जाने चाहिए, इस बारे में कैडेटों को जानकारी दी। सूबेदार मेजर नरेश कुमार, लेफ्टिनेंट दिनेश कुमार, लेफ्टिनेंट राजनरायन, लेफ्टिनेंट रत्नेश कुमार, लेफ्टिनेंट प्रकाश चंद्र, लेफ्टिनेंट सौरभ कुमार ने भी कई महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। इस मौके पर सूबेदार दर्शन सिंह, सूबेदार जगमोहन, सूबेदार डब्बल सिंह, नायब सूबेदार संजय सिंह, नायब सूबेदार देवेंद्र सिंह, विजय पाल, मनोज, आनंद, राकेश सिंह, सतीश, गजेंद्र आदि मौजूद रहे।

आईपीएल चैंपियन आरसीबी का बेंगलुरु में जोरदार स्वागत, चहेते खिलाड़ियों को देखने पहुंचे फैंस

बेंगलुरु (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम बुधवार दोपहर जब यहां पहुंची तो हवाई अड्डे के बाहर बड़ी संख्या में खड़े प्रशंसकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। विधान सौध (विधानसभा) में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के कार्यालय के रास्ते में सड़क के दोनों ओर एकत्रित प्रशंसकों ने चैंपियन टीम का

उत्साहवर्धन किया।

आरसीबी ने मंगलवार को अहमदाबाद में आईपीएल फाइनल में पंजाब किंग्स को छह रन से हराकर 18 साल में अपना पहला खिताब जीता था। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद आरसीबी के खिलाड़ी एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में प्रशंसकों से मुखातिब होंगे।

बेंगलुरु ट्रैफिक पुलिस के एक्स पर जारी बयान के अनुसार विधान सौधा से स्टेडियम तक बहुप्रतीक्षित खुली छत वाली बस परेड यातायात संबंधी परेशानियों के कारण नहीं हो सकती है। शहर में बारिश के मौसम ने भी अधिकारियों को ऐसा निर्णय लेने के लिए मजबूर किया होगा।

इसके साथ ही आरसीबी की जीत के बाद कल रात भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। मुख्यमंत्री अगर विशेष अनुमति देते हैं तो अब भी परेड हो सकती हैं क्योंकि खुली बस उनके कार्यालय के पास खड़ी है।

आरसीबी को 20 करोड़, पीबीकेएस को 12.5 करोड़,

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को 6 रन से हराकर अपना पहला खिताब जीता। पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद आरसीबी 190/9 पर ढेर हो गई। जवाब में पंजाब ने मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की लेकिन पावरप्ले के बाद आरसीबी ने नियमित अंतराल पर झटके देकर गति बदल दी और पंजाब 20 ओवर में 184/7 के स्कोर के साथ 6 रन से पिछड़ गया। आरसीबी को आईपीएल 2025 जीतने पर 20 करोड़ रुपए मिले जबकि पीबीकेएस को 12.5 करोड़ रुपए मिले। हालांकि प्राइज मनी की लिस्ट यहीं पर खत्म नहीं होती आइए जानते हैं किसे कितनी राशि मिली है-

विजेता (आरसीबी) -20 करोड़ रुपए
उप-विजेता (पीबीकेएस) - 12.5 करोड़ रुपए मिलेंगे
तीसरे नम्बर पर रहने वाली टीम (मुंबई इंडियंस) - 7 करोड़ रुपए
चौथे स्थान पर रहने वाली टीम (गुजरात टाइटन्स) - 6.5 करोड़ रुपए
ऑरेंज कैप विजेता (साई सुदर्शन) - 10 लाख रुपए
पर्पल कैप विजेता (प्रसिद्ध कृष्णा) - 10 लाख रुपए
इमर्जिंग प्लेयर विजेता (साई सुदर्शन) -10 लाख रुपए
मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (सूर्यकुमार यादव) - 15 लाख रुपए
सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन (वैभव सूर्यवंशी) - 10 लाख रुपए + टाटा कर्व
फैंटेसी किंग ऑफ द सीजन (साई सुदर्शन) - 10 लाख रुपए
बेस्ट कैच विजेता (कामिंडू मेंडिस) - 10 लाख रुपए
सबसे ज्यादा डॉट बॉल (मोहम्मद सिराज) - 10 लाख रुपए
सुपर सिक्स (निकोलस पूरन) - 10 लाख रुपए
फोर ऑफ द सीजन (साई सुदर्शन) - 10 लाख रुपए
फेयरप्ले अवॉर्ड (चेन्नई सुपर किंग्स) -10 लाख रुपए
पिच और ग्राउंड (दिल्ली कैपिटल्स का होम ग्राउंड नई दिल्ली) - 50 लाख रुपए
बेंगलुरु बनाम पंजाब फाइनल में पुरस्कार विजेताओं की सूची
प्लेयर ऑफ द मैच (क्रुणाल पांड्या) - 5 लाख रुपए
सुपर स्ट्राइकर (जितेश शर्मा) - 1 लाख रुपए
सबसे ज्यादा डॉट बॉल (क्रुणाल पांड्या) - 1 लाख रुपए
सबसे ज्यादा चौके (प्रियांश आर्य) - 1 लाख रुपए
फैंटेसी किंग (शशांक सिंह) - 1 लाख रुपए
सबसे ज्यादा छक्के (शशांक सिंह) - 1 लाख रुपए

प्रसिद्ध कृष्णा ने जीती पर्पल कैप, साई सुदर्शन के नाम रही ऑरेंज कैप

अहमदाबाद(एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2025 के खिताबी मुकाबले में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) पर 6 विकेट से यादगार जीत के साथ 18 साल ट्रॉफी अपने नाम की। आईपीएल 2025 खत्म होने के साथ ही आईपीएल

पुरस्कार की लिस्ट सामने आ गई है। पंजाब किंग्स के प्रसिद्ध कृष्णा ने सबसे ज्यादा विकेट्स के साथ पर्पल कैप अपने नाम की जबकि गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर रहे। आइए आईपीएल 2025 के पुरस्कार लिस्ट पर नजर डालते हैं और जानते हैं किसने कौन सा अवार्ड अपने नाम किया -

आईपीएल 2025 पुरस्कार
आईपीएल 2025 विजेता - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
आईपीएल 2025 उपविजेता - पंजाब किंग्स
प्लेयर ऑफ द मैच = क्रुणाल पांड्या (आरसीबी)
इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन = साई सुदर्शन (जीटी)
सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन = वैभव सूर्यवंशी (आरआर)
फैंटेसी किंग ऑफ द सीजन = साई सुदर्शन (जीटी)
पर्पल कैप = प्रसिद्ध कृष्णा (25 विकेट, पीबीकेएस)
ऑरेंज कैप = साई सुदर्शन (759 रन, जीटी)
सुपर सिक्स ऑफ द सीजन = निकोलस पूरन (एलएसजी)
ऑन द गो फोर ऑफ द सीजन = साई सुदर्शन - 88 फोर (जीटी)
सबसे ज्यादा डॉट बॉल ऑफ द सीजन = मोहम्मद सिराज (जीटी)
कैच ऑफ द सीजन = कामिंदू मेंडिस (एसआरएच)
फेयरप्ले अवार्ड = चेन्नई सुपर किंग्स
सबसे वेल्यूएबल खिलाड़ी ऑफ द सीजन = सूर्यकुमार

अल्काराज लगातार तीसरे साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेनिश टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज ने फ्रेंच ओपन 2025 के मेंस सिगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। डिफेंडिंग चैंपियन ने क्वार्टर फाइनल में 12वीं सीड अमेरिकी खिलाड़ी टॉमी पॉल को केवल 94 मिनट में हराया। वहीं, इटली के लोरेंजो मुसेटी भी अंतिम-4 में पहुंच गए हैं। विमेंस सिंगल्स की मौजूदा चैंपियन पोलैंड की टेनिस स्टार इगा स्वियातेक और वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका भी अगले दौर में पहुंच गई हैं। सेमीफाइनल में मुसेटी से भिड़ेंगे अल्काराज अल्काराज लगातार तीसरी बार फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। अल्काराज ने टॉमी पॉल को सीधे सेटों में हराया। उन्होंने 6-0, 6-1, 6-4 से जीत दर्ज की।

अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला इटली के लोरेंजो मुसेटी से होगा, जिन्होंने फ्रांसेस टियाफो को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। यह मुकाबला शुक्रवार, 6 जून को खेला जाएगा। मैच के बाद अल्काराज ने दर्शकों से मजाकिया अंदाज में इसलिए माफी मांगी क्योंकि मैच जल्दी खत्म हो गया था। मुसेटी के मैच के दौरान विवाद इटली के टेनिस खिलाड़ी लोरेंजो मुसेटी ने फ्रेंच ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। मुसेटी ने पहली बार फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। क्वार्टर फाइनल में

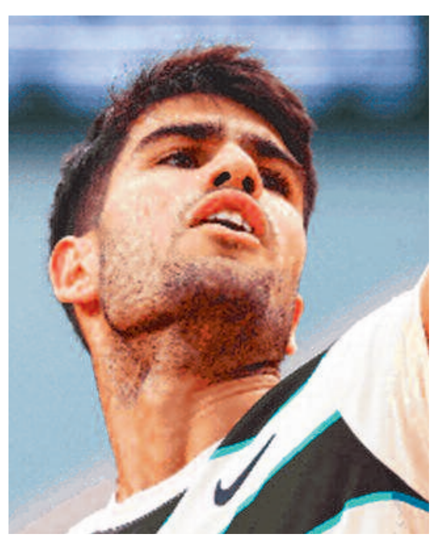

उन्होंने अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 4-6, 7-5, 6-2 से हराया। हालांकि, मैच के दौरान एक विवाद हो गया। मुसेटी ने दूसरे सेट में हार के बाद गेंद को लात मार दी, जो एक महिला लाइन जज के सीने पर जा लगी। इस पर उन्हें अनस्पोर्ट्समैनलाइक कंडक्ट के लिए चेतावनी दी गई। मुसेटी ने तुरंत माफी मांगी और कहा यह एक दुर्भाग्यपूर्ण था।

इंग्लैंड ने वनडे सीरीज में वेस्टइंडीज का किया सुपड़ा साफ

द ओवल (इंग्लैंड), एजेंसी। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद जेमी स्मिथ (64), बेन डकेट (58), जो रूट (44) और जॉश बटलर (नाबाद 41) रनों की शानदार पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने वर्षा बाधित तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को डीएलएस पद्धति से 62 गेंदें शेष रहते 7 विकेट से विकेट से हरा कर तीन मैचों की श्रृंखला भी 3-0 से अपने नाम कर ली है। केनिंगटन ओवल स्टेडियम में मंगलवार देर रात खेले गये मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने शरफेन रदरफोर्ड (70), गुडाकेश मोती (63) की अर्धशतकीय पारियों और अल्जारी जोसेफ (41), केसी कार्टी (29), ब्रैंडन किंग (16) और जस्टिन ग्रीव्स (12) रनों के योगदान से 40 ओवरों में नौ विकेट पर 251 रनों का स्कोर खड़ा किया। मैच दो बार प्रभावित हुआ।

यातायात जाम की समस्या के कारण वेस्टइंडीज की टीम टॉस के लिए तय समय पर मैदान तक नहीं पहुंच सकी। इसके बाद बारिश के कारण 90 मिनट का खेल प्रभावित हुआ। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद ने तीन विकेट लिए। साकिब महमूद, ब्राइडन कार्स और मैथ्यू पॉट्स को दो-दो विकेट मिले।

इंग्लैंड के लिए जेमी स्मिथ और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़े। सातवें ओवर में गुडाकेश मोती ने जेमी स्मिथ 28 गेंदों में (64) रन को बोल्ड कर वेस्टइंडीज को पहली सफलता दिलाई। इंग्लैंड का दूसरा विकेट बेन डकेट 46 गेंदों में (58) रन के रूप में गिरा। उन्हें 16वें ओवर में रॉस्टन चेज ने लुईस के हाथों कैच आउट कराया।

जो रूट (44) का शमारा जोसेफ ने शिकार किया। इंग्लैंड ने 29.4 ओवर में तीन विकेट पर 246 रन बनाकर डीएलएस पद्धति से मैच 62 गेंदें शेष रहते सात विकेट से जीत लिया। कप्तान हैरी ब्रूक (26) और जॉस बटलर (41) रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने डकवर्थ लुईस पद्धति से 40 में जीत के लिए 246 रन के लक्ष्य का लक्ष्य मिला जिसे उसने 62 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया।

अनुभवहीनता के कारण हमें थोड़ा नुकसान हुआ

- **मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने बताई हार की वजह**

अहमदाबाद (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के मुख्य को रिकी पोंटिंग ने माना कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल में लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम को मध्यक्रम में अनुभव की कमी का खामियाजा भुगतना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल कप्तानों में शामिल इस पूर्व बल्लेबाज ने हालांकि उम्मीद जताई कि टीम के युवा खिलाड़ी भविष्य में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आईपीएल के इस सत्र में पंजाब किंग्स

का प्रभावशाली प्रदर्शन फाइनल में आरसीबी से छह रन की हार के साथ समाप्त हुआ। आरसीबी ने इसके साथ ही आईपीएल ट्रॉफी जीतने का 18 साल लंबा इंतजार खत्म किया।

जीत के लिए 191 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही। शशांक सिंह (30 गेंदों में नाबाद 61 रन) ने आखिरी ओवरों में आक्रामक अर्धशतक जड़ा लेकिन उन्हें दूसरे छोर से किसी का साथ नहीं मिला। पोंटिंग ने मैच के बाद कहा, 'आप आज रात टीम को महसूस सकते हैं कि शायद थोड़ी सी अनुभवहीनता के कारण हमें हार का सामना करना पड़ा। आज मध्यक्रम में थोड़ा सा अनुभव शायद हमारी मदद कर सकता था। उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि वे आगे चलकर हमारे लिए कई मैच जीतने जा रहे हैं।

आरसीबी कप्तान रजत पाटीदार बोले-

यह जीत विराट कोहली और प्रशंसकों की

पाटीदार ने कहा, ई साला कप नमदु!

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने हाल ही में मिली शानदार जीत को बेहद खास बताते हुए इसे विराट कोहली और वर्षों से समर्थन देने वाले प्रशंसकों को समर्पित किया। क्वालिफायर 1 के बाद से ही टीम को भरोसा था कि वे इस सीजन में कुछ बड़ा कर सकते हैं। पाटीदार ने अपनी टीम के गेंदबाजों की शानदार रणनीति और प्रशंसकों के अटूट समर्थन की जमकर तारीफ की।

पाटीदार ने कहा कि यह मेरे लिए, विराट कोहली और उन सभी प्रशंसकों के लिए खास है, जिन्होंने सालों से हमारा साथ दिया। वे इस जीत के हकदार हैं। क्वालिफायर 1 के बाद हमें लगा कि हम यह कर सकते हैं। उन्होंने पिच को थोड़ा धीमा बताते हुए कहा कि 190 रन इस ट्रैक पर अच्छा स्कोर था। गेंदबाजों ने अपनी योजना को शानदार तरीके से लागू किया, जो देखने में शानदार था। विशेष रूप से केपी (कगिसो रबाडा) को उन्होंने विकेट लेने वाला गेंदबाज बताया। पाटीदार ने कहा, जब भी मैं दबाव में होता हूं, मैं केपी की ओर देखता हूं।

सुयाश प्रभुदेसाई के पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन और भुवनेश्वर कुमार, यश ठाकुर, जोश हेजलवुड जैसे तेज गेंदबाजों की तारीफ करते हुए पाटीदार ने रोमारियो शेफर्ड की भी सराहना की, जिन्होंने 2-3 ओवर में निर्णायक सफलता दिलाई। उन्होंने कहा कि रोमारियो का योगदान और उनकी सफलता बेहद खास थी।

आईसीसी रैंकिंग: यशस्वी जायसवाल ने दो स्थान की लगाई छलांग, श्रीलंकाई बल्लेबाज परेरा को भी मिला फायदा

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी की ताजा जारी हुई टी-20 रैंकिंग में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसावल को फायदा हुई है। इन दिनों बिना टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले भी उन्होंने दो स्थान की छलांग लगा दी है। वहीं, श्रीलंकाई बल्लेबाज ने भी एक पायदान ऊपर पहुंच गया है।

आईसीसी की टी-20 रैंकिंग के टॉप-5 में कोई बदलाव नहीं देखने को मिला है। ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज ट्रेविस हेड 856 अंक के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं।

दूसरे स्थान पर भारत के अभिषेक शर्मा मौजूद हैं। उनके 829 अंक हैं। तीसरे पायदान पर इंग्लैंड के फिल साल्ट 815 अंक के साथ काबिज हैं।

तिलक और सूर्यकुमार टॉप-5 में- भारतीय मिडिल ऑर्डर की जान बनते जा रहे तिलक वर्मा नंबर-4 पर हैं। तिलक के 804 अंक है। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव 729 अंक के साथ पांचवें नंबर पर बने हुए हैं। ताजा जारी हुई रैंकिंग में 9वें नंबर पर दो खिलाड़ी मौजूद हैं।

कुसल परेरा को भी मिला फायदा

श्रीलंका के कुसल परेरा ने एक स्थान की छलांग लगाकर 9वां स्थान हासिल कर लिया है। परेरा के 676 अंक हो गए हैं। वहीं, साउथ अफ्रीका के रीजा हैंड्रिक्स को भी एक स्थान का फायदा मिला है। वह भी संयुक्त रूप से 9वें पायदान पर पहुंच गए हैं।

बाबर आजम को हुआ नुकसान

यशस्वी जायसवाल अभी भी टॉप-10 में जगह नहीं बना पाए हैं लेकिन जायसवाल ने दो स्थान की लंबी छलांग लगाई है। वह 673 अंक के साथ 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को तीन स्थान का नुकसान हुआ है। वह 12वें स्थान पर खिसक गए हैं। रिजवान भी एक स्थान लुढकर 13वें स्थान पर काबिज हो गए हैं।